P372

इंदौर, मंगलवार 31 मार्च 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 131

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अक्षय की बात अपनो के साथ

इंदौर में पैर पसारता लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट!

इंदौर सहित पूरे मध्यप्रदेश के कद्दावर, बाहुबली कहे जाने वाले तथाकथित विधायकों, सांसदों और मध्यप्रदेश सरकार को लॉरेंस बिश्नोई जैसे अन्तर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के सरगनाओं और उनके गुर्गों के द्वारा प्रदेश के बड़े व्यवसायियों को धमकाकर, दहशत फैला कर करोड़ो रुपए वसूलने की धमकी का जवाब उन्हीं की भाषा में देना होगा। मिनी मुंबई कहे जाने वाले इंदौर में पिछले कुछ समय से अपराध के स्वरूप में डराने वाला बदलाव आया है। अब अपराध केवल गली-मोहल्ले की रंजिश तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लॉरेंस बिश्नोई जैसे अंतरराष्ट्रीय अंडरवर्ल्ड गिरोहों के गुर्गे शहर के नामचीन कॉलेज संचालकों, रियल एस्टेट कारोबारियों और बड़े उद्योगपतियों को करोड़ों की फिरौती के लिए धमका रहे हैं। संगठित अपराध का यह नया चेहरा पुलिस प्रशासन और राज्य के लिए खतरे की घंटी है। संगठित और माफिया अपराधों पर पूरी तरह से नकेल कसने के लिए महाराष्ट्र के 'मकोका' जैसे सख्त कानूनों की आवश्यकता है मध्यप्रदेश में? इंदौर में रियल एस्टेट और शिक्षा क्षेत्र तेजी से फल-फूल रहा है। यदि इन क्षेत्रों के दिग्गजों को खुलेआम धमकियां मिलेंगी, तो शहर का निवेश और आर्थिक ढांचा चरमरा सकता है। ड्रग्स माफिया, वसूली माफिया, गैंगस्टर, साइबर क्राइम और हथियार तस्करों के बढ़ते सिंडिकेट को तोड़ने के लिए भी विशेष अदालतों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। जिस तरह से संगठित अपराध के बड़े गैंगस्टर और माफिया अपराधी जेलों के भीतर से नेटवर्क चला रहे हैं, उसे देखते हुए वर्तमान कानून कमजोर नजर आ रहे हैं। ऐसे हालातों में मध्य प्रदेश सरकार को अब महाराष्ट्र की तर्ज पर मकोका जैसे सख्त कानून को लागू करने पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता है। मकोका एक ऐसा हथियार है जो संगठित अपराध की जड़ों पर प्रहार करता है। सामान्य मामलों में पुलिस रिमांड सीमित होती है, लेकिन मकोका में आरोपी को 30 दिनों तक पुलिस रिमांड पर रखा जा सकता है। पुलिस को बारीकी से जांच करने के लिए 180 दिनों का समय मिलता है। इस कानून के तहत एक बार गिरफ्तार होने पर आरोपी का बाहर आना लगभग नामुमकिन हो जाता है।

ईरान में अमेरिका ने 'बंकर-बस्टर' दागा

इस्फाहान (एजेंसी) • अमेरिका-इजरयाल और ईरान की बीच संघर्ष दिन-व-दिन भीषण होता जा रहा है। अब जानकारी आ रही है कि अमेरिका ने ईरान के प्रमुख शहर इस्फाहान में एक बड़े हथियार गोदाम पर हमला किया है। इस हमले में 2000-पाउंड (लगभग 907 किलोग्राम) के भारी बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल किया गया है। बताया जा रहा है कि इस हमले से जुड़ा एक वीडियो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की कि हमले में बड़ी संख्या में पेनेट्रेटर मुनिशन तैनात किए गए, जिससे अंडरग्राउंड और मजबूत सुरक्षित ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका ने इस्फ़हान में एक प्रमुख गोला-बारूद डिपो पर 2,000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल किया है। इससे पहले भी अमेरिका ने 7-8 मार्च को वहां हमला किया था। ऐसे में एक बार फिर अमेरिका ने बंकर बस्टर हथियारों का इस्तेमाल कर वहां तबाही मचाई है।

भाजपा मुखिया हेमंत खंडेलवाल को माफी मांगनी चाहिए ?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कवि सत्यनारायण सत्तन जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी की जड़ें मजबूत की, उस संघर्ष के दौर में जब कोई भारतीय जनता पार्टी का झंडा नहीं उठाता था, उस समय अपना पूरा जीवन भारतीय जनता पार्टी के लिए सौप दिया। जिनकी मेहनत पर आज भारतीय जनता पार्टी के नेता सत्ता का सुख भोग रहे हैं और सत्ता के मद में इतने मदहोश हो गए हैं कि इन बुजुर्ग नेताओं की बेइज्जती करना इनका धर्म बन गया है। क्या मध्यप्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को स्वयं जाकर उनसे माफी मांगनी चाहिए?

इंदौर में सीएम डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम में वरिष्ठ बीजेपी नेता सत्यनारायण सत्तन को आमंत्रित सूची में जगह नहीं दी गई। एक कार्यकर्ता ने उन्हें कुर्सी देने से मना कर दिया, जिसके बाद वे कार्यक्रम से लौट गए। सोमवार को नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा उन्हें मनाने पहुंचे। लेकिन सत्तन का गुस्सा खुलकर बाहर आ गया। उन्होंने कहा कि पार्टी में कुछ लोग माई-बाप बन गए हैं और उन्हीं के इशारे पर सारा खेल होता है।

सीएम कार्यक्रम में कुर्सी से मना किया

29 मार्च को इंदौर के दशहरा मैदान पर नर्मदा चतुर्थ चरण भूमिपूजन कार्यक्रम हुआ। सीएम डॉ. मोहन यादव इसमें शामिल होने के लिए इंदौर आए थे। वरिष्ठ नेता सत्यनारायण सत्तन भी समय से पहले कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। तभी बीजेपी के एक कार्यकर्ता ने उन्हें बता दिया कि आमंत्रित सूची में उनका नाम नहीं है। इसके बाद सत्तन बिना रुके वहां से लौट आए। सत्तन ने खुद बताया कि महापौर ने उन्हें दो बार फोन करके बुलाया था। कार्यक्रम नगर निगम का था, पार्टी का नहीं। इसलिए उनके मुताबिक जिम्मेदारी भी महापौर की बनती है।

माई-बाप बन गए कुछ लोग : सत्तन

सोमवार को नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा सत्तन से मिलने पहुंचे। मिश्रा उन्हें मनाने और माफी मांगने आए थे। लेकिन इसी बातचीत में सत्तन का पूरा गुबार बाहर आ गया। सत्तन ने साफ शब्दों में कहा कि पार्टी में कुछ लोग माई-बाप बन गए हैं। उन्हीं के इशारे पर नियुक्तियां होती हैं और उन्हीं के इशारे पर यह सारा खेल हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग उन्हें अपना बाप मानते हैं, पार्टी उन्हीं की है। सत्तन ने कहा कि संगठन में वे अपने घर का रोना लेकर कहां जाएं। उन्होंने 'पट्ठावाद' यानी खेमेबाजी की भी बात उठाई। बोले कि कोई किसी का पट्ठा है तो कोई किसी और का। मैं तो बीजेपी का कार्यकर्ता हूं, इस पट्ठावाद में मेरा यकीन नहीं।

पहले चरण वाला आदमी हूं मैं : सत्तन

मीडिया से बात करते हुए सत्तन ने एक चुभने वाली बात कही। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम नर्मदा चतुर्थ चरण का था और मैं पहले चरण वाला आदमी हूं। यह जुमला उनके पार्टी में अप्रासंगिक होते जाने की पीड़ा को बखूबी बयान करता है। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी अब नई पार्टी है। नए लोग हैं, नए रीति-रिवाज हैं। पार्टी अब उनकी प्रासंगिकता नहीं मानती। 'मैं आज प्रासंगिक नहीं रहा', यह उनके शब्द थे।

नगराध्यक्ष ने मांगी माफी

बीजेपी नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा ने सत्तन को 'राष्ट्रकवि' कहते हुए उन्हें पार्टी का वरिष्ठ नेता बताया। उन्होंने कहा कि यह घटना किसी गलतफहमी की वजह से हुई और मिलकर यह विषय सुलझ गया है। मिश्रा ने कहा कि अगर कोई गलती हुई है तो वे 25 बार माफी मांगने को तैयार हैं। सत्तनजी का आदेश पूरी पार्टी के लिए शिरोधार्य है।

महापौर क्यों नहीं पहुंचे सत्तन से माफी मांगने

इस मामले में महापौर पुष्यमित्र भार्गव का खुद कार्यक्रम होने के कारण स्वयं उनको खुद सत्तन के घर जाकर माफी मांगनी चाहिए थी। क्या महापौर इतने व्यस्त थे कि वह सत्तन के घर नहीं जा सकते थे? उन्होंने केवल एक बयान जारी किया और माफी मांग ली। यह सीधा-सीधा वरिष्ठ नेताओं का अपमान है। उनको सोचना चाहिए कि आज वह जिस कुर्सी पर बैठे हैं, उसके पीछे इन लोगों ने खून-पसीना बहाया है और पार्टी को अपने पसीने से सिंचा है, जो आज इस समय पार्टी की स्थिति है, केवल इन नेताओं की बदौलत है। अगर महापौर में थोड़ी भी नैतिकता है, तो उन्हें स्वयं जाकर माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री के सामने भाजपा नेताओं ने अधिकारियों के प्रति रोना रोया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 मार्च, रविवार को इंदौर दौरे पर थे। इस दौरे पर संभावना जताई जा रही थी कि इंदौर के नेता सीएम के सामने इंदौर के अधिकारियों को लेकर शिकायत करेंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। इससे दो दिन पहले ही इंदौर बीजेपी नगर की कोर समिति की बैठक में सभी नेता अधिकारियों पर जमकर भड़ास निकाल रहे थे। तय किया गया था कि सब मिलकर बात करेंगे। इसके बवजूद, सभी नेता एक-दूसरे की पहल का इंतजार करते रहे और आखिरकार सभी ने चुप्पी साध ली।

एमओएस टैक्स पर भी रही खामोशी

वहीं, ष्टरूके दौरे पर दोनों में से कोई मुद्दा नहीं उठा। न अधिकारियों की शिकायत हुई, न एमओएस टैक्स पर कोई बात हुई। हर नेता दूसरे की पहल का इंतजार करता रहा। आखिरकार सभी चुप रह गए। बीजेपी नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बाद में कहा कि सीएम से किसी अन्य मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इंदौर को कई अहम सौगातें दी हैं और यह ऐतिहासिक दिन था।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि एमओएस टैक्स पर जल्द चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर पुनर्विचार के लिए आग्रह किया गया है। लेकिन सीएम के दौरे में यह मुद्दा सार्वजनिक तौर पर नहीं उठाया गया।

बैठक में क्या तय हुआ था?

उस बैठक में विधायक महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, गोलु शुक्ला और नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा मौजूद थे। सभी की राय एक थी कि इंदौर के अधिकारी नेताओं की बात नहीं सुनते। इससे शहर के विकास पर असर पड़ रहा है। नेताओं ने तय किया कि सीएम से इस बारे में बात करेंगे। एमओएस टैक्स को लेकर भी एजेंडा तय हुआ था। नेताओं का मानना था कि यह टैक्स जनता में नाराजगी की वजह बन रहा है। इस पर पुनर्विचार की मांग सीएम के सामने रखनी थी।

मिश्रा की तारीफ पर सीएम भी मुस्कराए

दशहरा मैदान पर नर्मदा परियोजना के चौथे चरण का भूमिपूजन कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा ने सीएम का स्वागत परिचय दिया। उनके अंदाज ने सबको चौंका दिया। मिश्रा ने कहा कि वे जन-जन के मन को मोह लेने वाले हैं। हर मुश्किल को आसान बनाने वाले हैं। असाध्य को भी साध लेते हैं। योग में भी सिद्ध हैं और कुश्ती में भी। उन्होंने सीएम की डिग्रियां भी गिनाईं जैसे एमबीए, एलएलबी, बीएससी और पीएचडी। मिश्रा ने कहा कि वे वक्ता भी हैं, संगठक भी हैं, ज्ञानी भी हैं और जिज्ञासु भी। सीएम हैं और कार्यकर्ता भी। इस भाषण पर खुद सीएम भी मुस्करा दिए। मंच पर बैठे बाकी नेता और दर्शक भी इस अनोखे परिचय से प्रभावित दिखे।

नर्मदा परियोजना को मिली बड़ी सौगात

सीएम के इस दौरे की सबसे बड़ी उपलब्धि नर्मदा परियोजना का भूमिपूजन रही। यह चौथे चरण का काम है। इससे इंदौर को पानी की आपूर्ति और बेहतर होगी। नगराध्यक्ष ने इसे इंदौर के लिए ऐतिहासिक बताया।

एमओएस टैक्स पर विवाद क्यों?

एमओएस टैक्स इंदौर नगर निगम द्वारा लगाया गया एक शुल्क है। बीजेपी की कोर कमेटी बैठक में नेताओं ने माना कि यह टैक्स जनता में नाराजगी का कारण बन रहा है। सीएम के दौरे पर इस मुद्दे को उठाने की योजना थी, लेकिन नेता चुप रहे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इस मुद्दे पर जल्द चर्चा होगी और पुनर्विचार का आग्रह किया गया है।

नर्मदा परियोजना का भूमिपूजन अहम क्यों?

नर्मदा परियोजना का चौथा चरण इंदौर को पानी की बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। सीएम के इस दौरे में इसका भूमिपूजन हुआ, जिसे नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा ने इंदौर के लिए ऐतिहासिक बताया।

अंदर के पन्नों पर...

24 घंटे चालू रहेगा इंदौर एयरपोर्ट

पेज-2

'राम' के किरदार की अगली झलक जारी होगी 2 अप्रैल को

पेज-6

चिड़ियाघर में पीपीपी मोड पर संचालित होगा टनल

पेज-6

बड़े जिलों में एल्डरमैन की नियुक्तियों पर फंसा पेंच

भोपाल, इंदौर के साथ ग्वालियर की सूची पर गुटबाजी का ग्रहण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश में लंबे इंतजार के बाद अब मोहन सरकार ने राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला शुरु कर दिया है। रविवार को प्रदेश के 169 नगरीय निकायों में एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) की पहली सूची जारी कर दी गई। सरकार के गठन के करीब ढाई साल बाद जारी एल्डरमैन की सूची में 750 से अधिक कार्यकर्ताओं के नाम है। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि सूची में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर जैसे बड़े शहरों के नाम नदारद है। ग्वालियर में केवल डबरा नगरपालिका के एल्डरमैनों का नाम सूची में नजर आया।

लंबे इंतजार के बाद जारी हुई एल्डरमैन की सूची में बड़े शहरों के नाम न होना इस बात का संकेत है कि यहां के नामों को लेकर दिग्गज नेताओं के बीच आपसी सहमति नहीं बन पाई। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि इन शहरों में नामों का एलान न होना सत्ता और संगठन के भीतर चल रही जबरदस्त गुटबाजी को दर्शाता है।

गुटबाजी ने फंसाया पेंच- रविवार को नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी आदेश में 25 जिलों की 123 नगर परिषदों और 46 नगर पालिकाओं के लिए 768 एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं। वहीं भोपाल और इंदौर जैसे महानगरों के साथ-साथ ग्वालियर और शिवपुरी की सूचियों को फिलहाल होल्ड पर रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक, इन क्षेत्रों में स्थानीय क्षत्रपों और संगठन के बीच नामों को लेकर एक राय नहीं बन पाई है। दिग्गजों की दावेदारी- राजनीतिक विश्लेषक बताते है कि जिले की राजनीति में एल्डरमैन के पद का काफी महत्व होता है। एल्डरमैन के पास परिषद की बैठकों में वोट डालने का अधिकार तो नहीं होता, लेकिन वे चर्चा में हिस्सा ले सकते हैं और विकास कार्यों के लिए बजट पर प्रभाव डाल सकते हैं। यहीं कारण है कि एल्डरमैन के लिए जिले के कार्यकर्ता अपने नेताओं के जरिए जोरअजमाइश करते है। एल्डरमैन के लिए संगठन के ओर से नाम सरकार को भेजे जाते है। रविवार को सूची जारी होने से पहले शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच मैराथन बैठक हुए और इसी बैठक में नामों पर अंतिम मुहर लगाई गई।

राजधानी भोपाल के साथ इंदौर और ग्वालियर में एल्डरमैन के नामों पर दिग्गज नेताओं के बीच आम सहमति नहीं बन पाने के लिए कारण नाम होल्ड कर लिए गए। भोपाल और इंदौर में कई बड़े नेताओं के अपने-अपने समर्थक हैं, जिन्हें वे एल्डरमैन के तौर पर एडजस्ट करवाना चाहते हैं। पिछले दिनों भोपाल में भाजपा की जिला कार्यकारिणी के नामों को लेकर जिस तरह से बड़े नेताओं के बीच शक्ति प्रदर्शन और नाराजगी देखने को मिली, उससे अब एल्डरमैन के नामों पर सरकार और संगठन फूंक-फूंक कर कदम बढ़ा रहा है।

ग्वालियर-चंबल की सूची पर भारी गुटबाजी- ग्वालियर चंबल अंचल में ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थकों और भाजपा के पुराने मूल कार्यकर्ताओं के बीच संतुलन बिठाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है और यहीं कारण है कि एल्डरमैन के नामों का एलान नहीं हो पाया।

ट्रैफिक विभाग विवादों में

उगाही-प्रताड़ना के आरोपों के बीच सीपी ने बिठाई जांच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के पूर्वी ट्रैफिक इलाके में भ्रष्टाचार और स्टाफ प्रताड़ना को लेकर एक गंभीर गुप्त शिकायत सामने आई है। शिकायत पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह तक पहुंची है, जिसमें ट्रैफिक के एक टीआई, एक एसआई और एक एचसीएम पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

बताया जा रहा है कि ड्यूटी लगाने और हटाने के नाम पर स्टाफ से अवैध वसूली की जा रही है। कई मामलों में ऑनलाइन पेमेंट तक लेने के आरोप हैं, जिनके स्क्रीनशॉट भी शिकायत के साथ दिए गए हैं। पुलिस कमिश्नर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। फिलहाल यह जांच गोपनीय तरीके से की जा रही है और वरिष्ठ अधिकारी खुलकर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि आरोपियों की प्रताड़ना से परेशान होकर ट्रैफिक की तीन महिला पुलिसकर्मियों ने आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि, इस मामले की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। हाल ही में अरबिंदो अस्पताल क्षेत्र की पुलिस चौकी पर अवैध लेनदेन की शिकायत राजेश सिंह तक पहुंची थी। इसके बाद चौकी हटवा दी गई और पुलिसकर्मियों को सड़क पर ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए थे। मामले में डीसीपी राजेश त्रिपाठी से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। वहीं एडीशनल डीसीपी नरेश बाबू अनोटिया ने इस मामले में डीसीपी से बात करने की बात कही। दूसरी ओर एडीशनल कमिश्नर राजेश सिंह ने ऐसी किसी शिकायत की जानकारी होने से इनकार किया है। सीएम की वीआईपी ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले एक ट्रैफिक टीआई को वरिष्ठ अधिकारियों ने सस्पेंड किया है। आरोप है कि टीआई सीएम ड्यूटी में ही गैरहाजिर थे। उन्हें जो जिम्मेदारियां दी थीं वे पूरी ही नहीं कर पाए।

न्यूज ब्रीफ

सज गए तोरण द्वार, बाबा हनुमान आ गए आपके द्वार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के एम.आर. 9 रोबोट चौराहा स्थित मंदिर परिसर से यह शोभायात्रा शाम 5 बजे शुरू होगी। यात्रा रोबोट चौराहा, एमआर-9 और बर्फानी धाम क्षेत्र सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए पुन: मंदिर प्रांगण पहुंचेगी। मंदिर के मुख्य पुजारी एवं अध्यक्ष पंडित शैलेंद्र जोशी ने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं और इस बार शोभायात्रा विशेष रूप से भव्य होगी। यात्रा समापन पर भव्य आतिशबाजी के द्वारा चिंतामण सरकार का स्वागत किया जाएगा उसके पश्चात महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम रखा गया है

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 10 अप्रैल से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • राज्य शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की तिथियों में संशोधन किया गया है। जारी निर्देशानुसार इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में अब समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य 10 अप्रैल से प्रारंभ होगा। पूर्व में इन संभागों में खरीदी कार्य एक अप्रैल से शुरू किया जाना प्रस्तावित था। उपरोक्त संभागों को छोड़कर प्रदेश के अन्य सभी संभागों में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य 15 अप्रैल से प्रारंभ किया जाएगा। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा संबंधित जिलों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि खरीदी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करें, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रदेश में अधिक से अधिक हों जल संवर्धन-संरक्षण के कार्य -सिलावट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत प्रदेश के गांव-गांव, नगर-नगर में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन संबंधी कार्य कराए जा रहे हैं। विभागीय अधिकारी समाज के सभी वर्गों एवं आमजन के सहयोग से अपने-अपने क्षेत्र में वृहत रूप से जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य कराएं और इस अभियान को पूरी तरह सफल बनाएं। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान गत 19 मार्च से चलाया जा रहा है जो तीन माह तक चलेगा। सिलावट ने अपने कार्यालय में जल गंगा संवर्धन अभियान संबंधी बैठक लेकर अभियान के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

किसानों ने गेहूं खरीदी को लेकर सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

गेहूं खरीदी पर सरकार दे रही तारीख पर तारीख

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर/मध्यप्रदेश में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत गेहूं खरीदी को लेकर सरकार की असंगत और अव्यवस्थित नीतियों ने किसानों को गहरे संकट में डाल दिया है। बार-बार खरीदी तिथियों में बदलाव कर शासन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि न तो कोई ठोस योजना है और न ही किसानों के हितों के प्रति कोई गंभीरता प्रारंभ में गेहूं खरीदी की तिथि 15 मार्च घोषित की गई, फिर इसे 1 अप्रैल तक बढ़ाया गया और अब पुन: 10 अप्रैल 2026 कर दिया गया है। वहीं कुछ संभागों में 15 अप्रैल से खरीदी शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह लगातार बदलाव किसानों के साथ सीधा अन्याय है और उनकी मेहनत पर कुठाराघात है।

संयुक्त किसान मोर्चा ने इस निर्णय को किसान विरोधी बताते हुए कड़े शब्दों में निंदा की है। मोर्चा के नेताओं—बबलू जाधव, रामस्वरूप मंत्री, चंदनसिंह बड़वाया, शैलेंद्र पटेल एवं प्रवीण ठाकुर—ने कहा कि जब सरकार के पास खरीदी की कोई ठोस तैयारी ही नहीं थी, तो न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) का ढोल पीटकर किसानों को भ्रमित क्यों किया गया?किसानों की स्थिति और अधिक दयनीय तब हो जाती है जब उन्हें अपनी उपज को समर्थन मूल्य से कम दाम पर मंडियों में बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि किसानों के साथ खुला अन्याय है।

सरकार की किसानों के साथ दोहरी नीति

एक तरफ सोसायटियों में ऋण चुकाने की अंतिम तिथि 28 मार्च निर्धारित की गई थी, जिसे वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनज़र अब तक नहीं बढ़ाया गया है। किसानों की फसल नहीं बिकेगी तो कैसे बैंक भरने का काम करेंगे संयुक्त किसान मोर्चा ने मांग की है कि इस तिथि को तत्काल बढ़ाकर 30 मई 2026 किया जाए, ताकि किसान बिना किसी मानसिक और आर्थिक दबाव के अपनी उपज का उचित प्रबंधन कर सकें। संयुक्त किसान मोर्चा ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही गेहूं खरीदी व्यवस्था को सुचारू नहीं किया गया, समर्थन मूल्य पर सख्ती से खरीदी सुनिश्चित नहीं की गई तथा किसानों को राहत देने के लिए ऋण भुगतान की तिथि नहीं बढ़ाई गई, तो किसान व्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

किसान नेता चंदन सिंह बढ़वाया ने देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर साधा निशान-देश के कृषि मंत्री कहते हैं मैं किसान का बेटा हूं किसानों की समस्या को समझता हूं लेकिन कृषि मंत्री रहते हुए वह किसानों का भला नहीं कर पाए मध्य प्रदेश सरकार गेहूं खरीदी को लेकर तारीख पर तारीख बदल रही है बोनस के रूप में मात्र ?40 देकर किसानों को समझाया जा रहा है दूसरे राज्यों की सरकार 150 रुपए प्रति कुंटल बोनस दे रही इसे स्पष्ट होता है किसानों के साथ सरकार अन्याय कर रही है यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि किसानों के अधिकारों का हनन है। सरकार को जवाब देना होगा।'

लसूड़िया मौत मामला : उस अपार्टमेंट को छोड़ने की तैयारी में था परिवार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर के लसूड़िया क्षेत्र में हुए दर्दनाक हत्याकांड ने एक पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं। जांच में सामने आया है कि शंपा और उनका परिवार सागर समृद्धि अपार्टमेंट में चल रहे विवादों से काफी परेशान था और वहां से शिफ्ट होने की तैयारी कर रहा था। घटना से करीब एक सप्ताह पहले शंपा अपने परिवार के साथ डीबी प्राइड में नया फ्लैट देखने गई थीं। परिवार ने लगभग तय कर लिया था कि जल्द ही वे वहां शिफ्ट हो जाएंगे।

दरअसल, मौजूदा अपार्टमेंट में एयर बीएनबी के जरिए हो रही संदिग्ध गतिविधियों को लेकर रहवासियों और आरोपियों के बीच लगातार विवाद चल रहा था। परिवार को उम्मीद थी कि स्थिति कुछ दिनों में सामान्य हो जाएगी, लेकिन इससे पहले ही विवाद ने हिसक रूप ले लिया। आरोपी कुलदीप और उसके बेटे मोहनीश के साथ हुए झगड़े ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया।

बच्चों से दो दिन छिपाई गई मां की मौत-घटना के बाद परिवार ने बच्चों को तुरंत सच्चाई नहीं बताई। जब बड़े बेटे ने पिता को फोन कर मां के बारे में पूछा तो उसे बताया गया कि मम्मी की तबीयत ठीक नहीं है, दो दिन में आ जाएंगी। बेटे ने जवाब दिया-मम्मी आएंगी, तभी खाना खाऊंगा। दो दिन बाद जब शंपा का शव घर पहुंचा, तब बच्चों को इस दु:खद सच्चाई का पता चला। छोटा बेटा अब भी समझ नहीं पा रहा है कि उसकी मां अब कभी वापस नहीं आएंगी। पति सौरभ ने बताया कि परिवार पहले ही मुश्किल दौर से गुजर रहा था। करीब तीन महीने पहले शंपा की मां का ब्रेन हेमरेज से निधन हुआ था। नवंबर में जिस घर में पूरे परिवार ने मिलकर पूजा की थी, वहीं से अब शंपा की अंतिम यात्रा निकली।

एसजीएसआईटीएस में अब थ्योरी से प्रैक्टिकल तक सीखेंगे छात्र

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्री गोविदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान में क्वांटम कम्प्यूटिंग को बढ़ावा देने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। यह केंद्र क्वांटम कम्प्यूटिंग, क्वांटम एल्गोरिद्म और क्वांटम मटेरियल्स पर कार्य करेगा। इस प्रोजेक्ट को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत नेशनल क्वांटम मिशन में 1 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है। यह केंद्र छात्रों के लिए एक अत्याधुनिक शिक्षण और अनुसंधान प्रयोगशाला के रूप में कार्य करेगा, जहां उन्हें क्यूबिट्स, एंटैंगलमेंट और सुपरपोजिशन जैसे विषयों पर प्रेक्टिकल प्रशिक्षण दिया जाएगा, साथ ही छात्र क्यू-स्किट और सर्क जैसे टूल्स पर काम कर वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों को समझ सकेंगे।

विश्लेषण क्षमता होगी मजबूत

यह परियोजना प्रो. जेटी एंड्रयू थॉमस के नेतृत्व में तैयार की गई है, जिसमें डॉ. विपिन कौशिक, डॉ. एएस बैस व लोकेश जैन प्रमुख सदस्य हैं। संस्थान के निदेशक प्रो. नीतीश पुरोहित ने कहा यह पहल छात्रों को भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार करेगी और रिसर्च इकोसिस्टम को मजबूत बनाएगी। इस केंद्र के माध्यम से छात्रों को रिसर्च, स्टार्टअप और इंडस्ट्री सहयोग के अवसर मिलेंगे। वे क्वांटम कम्प्यूटिंग, कम्युनिकेशन, सेंसिग और मटेरियल्स जैसे क्षेत्रों में समस्या समाधान पर काम करेंगे, जिससे उनकी विश्लेषण क्षमता मजबूत होगी और वैश्विक कॅरियर के लिए तैयार होंगे। क्वांटम कम्प्यूटिंग एक उन्नत तकनीक है, जो पारंपरिक कम्प्यूटर की तुलना में जटिल है। इसका उपयोग साइबर सुरक्षा, दवा खोज, मौसम पूर्वानुमान और अन्य समस्याओं को तेजी से हल कर सकती जटिल क्षेत्रों में किया जा सकता है।

भाजपा में वरिष्ठों का अपमान! सत्यनारायण सतन के सम्मान में कांग्रेस उतरी मैदान में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • जिला कांग्रेस सेवादल के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, शहर कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश जोशी, मधुसूदन बालिका एवं यशपाल गहलोत ने बताया कि नर्मदा परियोजना के चौथे चरण के उद्घाटन समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता, राष्ट्रीय कवि एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण सतन के साथ हुए कथित अपमानजनक व्यवहार ने भाजपा की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कार्यक्रम में सम्मानजनक स्थान तक न मिलने से आहत सतन का मुख्यमंत्री का कार्यक्रम बीच में छोड़कर जाना इस बात का संकेत है कि भाजपा में अब वरिष्ठ नेताओं का सम्मान सुरक्षित नहीं रह गया है।

इस घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल आज सतन के निवास पर पहुंचा और उन्हें तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिस व्यक्ति का पूरे देश में सम्मान है, उसे अपनी ही पार्टी के कार्यक्रम में अपमानित होना पड़े, यह भाजपा की अंदरूनी अव्यवस्था और अहंकार को दर्शाता है।

इस दौरान सत्यनारायण सतन ने भी अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर करते हुए कहा कि 'पैराशूट से आए भैया-दादा के लोग अनुशासन नहीं समझते हैं।' उन्होंने भाजपा की वर्तमान कार्यशैली को मूल विचारधारा से भटका हुआ बताया और अप्रत्यक्ष रूप से संगठन में बढ़ती अव्यवस्था पर सवाल उठाए।

कांग्रेस ने स्पष्ट रूप से कहा कि भाजपा अब अनुभवी और समर्पित नेताओं को दरकिनार कर रही है, जबकि कांग्रेस हमेशा ऐसे सम्मानित व्यक्तित्वों के सम्मान के लिए खड़ी रहेगी। यह घटनाक्रम न केवल भाजपा की आंतरिक स्थिति को उजागर करता है, बल्कि उसके संगठनात्मक मूल्यों पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है।

भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक पर ऐतिहासिक स्वर्ण रथ यात्रा निकली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • समग्र दिगंबर जैन समाज ने इंदौर में आज मनाया महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव। प्रात: कॉलोनियों में श्री जी के अभिषेक , शांति धारा हुई ,और प्रभात फेरी निकली। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल , आनंद गोधा एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि नवीन गोधा ने शोभा यात्रा का 2:30 बजे शुभारंभ किया। इस शोभायात्रा के संयोजक थे नकुल पाटोदी हर्ष जैन। लगभग 3 किलोमीटर लंबी शोभायात्रा में विभिन्न मंदिरों, समाजों और सोशल ग्रुपों द्वारा भव्य 7 साथ झांकियां निकाली गई. कूल 24 जगह के समाज जनों ने इसमें हिस्सा लिया। जिसमें प्रमुख थे नरसिंहपुरा समाज, परवार समाज, खरौआ समाज, बघेरवाल समाज, लंबेच्चु दिगंबर जैन , समाजजैन स्टडी ग्रुप, विजयनगर समाज, छावनी समाज, सुदामा नगर समाज आदि। जगह-जगह सोशल ग्रुपों ने स्वागत मंच से शोभायात्रा का स्वागत किया।

महावीर जन्म कल्याणक दिवस श्रद्धा,उमंग और उत्साह से मनाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर का जन्म कल्याणक दिवस छत्रपति नगर दिगंबर जैन समाज ने श्रद्धा उमंग और उत्साह से मनाया। इस अवसर पर तीर्थ स्वरूप दिगंबर जैन आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर में प्रात: भगवान महावीर की पूजन,प्रतिमाभिषेक एवं शांति धारा करने के बाद भगवान महावीर की प्रतिमा को विमान (पालकी) मैं विराजमान कर शोभायात्रा के रूप में बैंड बाजों के साथ छत्रपति नगर,गोरव नगर महावीरबाग, अग्रसेन नगर भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने श्री जी की आरती उतारी, शोभा यात्रा में महिलाएं मंगल कलश लिए केसरिया साडी एवं पुरुष श्वेत परिधान में जैन ध्वज फहराते एवं जयकारा लगाते हुए पैदल चल रहे थे। श्रीजी के विमान को पवन जैन, नेमीचंद जैन, निलेश टैलेंट, विक्की, एवं अरविंद सोधिया अखिलेश जैन आदि अपने कंधों पर रख कर भ्रमण करा रहे थे। शोभा यात्रा के दौरान के मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह जगह श्रीजी की आगवानी कर आरती उतारी।

17 महीने बाद आज रात से फिर 24 घंटे चालू रहेगा इंदौर एयरपोर्ट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • 1 अप्रैल से इंदौर एयरपोर्ट 24 घंटे संचालन के लिए खोल दिया जाएगा। यहां रनवे रिकार्पेटिंग का काम पूरा हो गया है। मंगलवार मध्यरात्रि 2.15 बजे सबसे पहले पुणे की फ्लाइट इंदौर एयरपोर्ट पर उतरेगी। 3.15 बजे यह वापस पुणे के लिए रवाना होगी। इसके चलते समर शेड्यूल में इंदौर से फ्लाइट संचालन 100 का आंकड़ा पार हो सकता है। इसके अलावा इंदौर को कुछ नए रूट्स के लिए भी फ्लाइट्स मिल सकेंगी। अभी ?इंदौर 22 शहरों से सीधे जुड़ा है।

नवंबर 2024 से रिकार्पेटिंग का काम शुरू हुआ था। तब से एयरपोर्ट पर रात 10:30 से सुबह 6 बजे तक फ्लाइट का संचालन बंद था। यह काम अक्टूबर-2025 में पूरा होना था। लगातार बारिश और बिटुमिन (डामर) की कमी के कारण इसमें देरी हुई। पहले 31 दिसंबर तक काम बढ़ाया गया, फिर इसे 31 मार्च तक किया गया। 17 महीने में इंदौर एयरपोर्ट पर रनवे रिकार्पेटिंग का काम पूरा हुआ है।

एयरपोर्ट प्रबंधन के मुताबिक रनवे पर चार इंच डामर की परत बिछाई गई है। करीब 400-500 मीटर हिस्से में कुछ काम शेष है। एयरपोर्ट पीआरओ रामस्वरूप यादव का कहना है कि अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते बिटुमिन की कमी के कारण यह हिस्सा शेष है। हालांकि फ्लाइट की लैंडिंग, टेकऑफ वाले हिस्से में काम पूरा हो गया है। इस वजह से फ्लाइट ऑपरेशन में कोई परेशानी नहीं आएगी।

रात में रनवे बंद करने से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई और पुणे सहित 16 फ्लाइटें बंद या रीशेड्यूल हुई थीं। अब इनमें से कुछ फ्लाइट दोबारा शुरू होंगी।

हनुमान जयंती पर पितृरेश्वर हनुमान जी फूलों से सजेंगे, धूमधाम से मनेगा जन्मोत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पितृ पर्वत स्थित पितृरेश्वर हनुमान धाम में हनुमान जयंती के अवसर पर 2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनेगा। पितृरेश्वर हनुमान जी फूलों से सजेंगे, महाआरती होगी। हजारों भक्त सम्मिलित होंगे। धाम प्रमुख आकाश विजयवर्गीय,महेश दलोद्रा ने बताया कि पितृरेश्वर हनुमान धाम में 2 अप्रैल को सुबह भगवान का वेद मंत्रों के बीच आचार्य पंडितों की उपस्थिति में षोडशोपचार पूजन अभिषेक होगा उसके भगवान पितृरेश्वर हनुमान जी का विशेष श्रृंगार होगा दरबार मोगरा गुलाब सहित अनेक किस्म के फूलों से सजेगा, दिनभर दर्शन होंगे सुबह 11:30 बजे महाआरती होगी। शाम 5 बजे महाप्रसादी वितरण होगा फिर शाम को 7 बजे महाआरती होगी, साधु संत भी सम्मिलित होंगे। विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा जिसमें तकरीबन 15 हजार से ज्यादा भक्त प्रसादी ग्रहण करेंगे। इस आयोजन में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला सहित अन्य सम्मिलित होंगे

2 हजार दस्तावेजों का हुआ पंजीयन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर के रजिस्ट्रार ऑफिस में भारी भीड़ उमड़ रही है। 1 अप्रैल से लागू होने वाली नई कलेक्टर गाइडलाइन लागू होना है इसलिए वित्तिय वर्ष के अंतिम दिनों में अपनी संपत्तियों की रजिस्ट्री पुरानी दरों पर कराने के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। इंदौर के चारों राजिस्ट्रार कार्यालयों में छुट्टी के दिन भी जमकर भीड़ उमड़ रही है। इंदौर की लगभग 2,606 लोकेशन्स पर जमीनों के दाम 20 से 80 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। कुछ प्राइम इलाकों (जैसे बायपास और रिंग रोड) में यह बढ़ोतरी 100 से 300 प्रतिशत तक भी हो सकती है। भीड़ को देखते हुए रजिस्ट्रार कार्यालय शनिवार और रविवार जैसे अवकाश के दिनों में भी खुले रखे गए थे। ताकि ज्यादा से ज्यादा रजिस्ट्रियां की जा सकें। सभी छुट्टियां निरस्त कर दी गई थी। अब मंगलवार को भी वित्तिय वर्ष का अंतिम दिन है, इस दिन देर रात तक रजिस्ट्रीयां होंगी। सोमवार को भी सुबह से देर रात 12 बजे तक दस्तावेजों का पंजीयन होता रहा। सभी पंजीयन कार्यालयों में लगभग 400 से 500 स्लॉट बुक हुए, यानी करीब 2 हजार दस्तावेज पंजीकृत हुए। भारी लोड के कारण कई बार ऑनलाइन पंजीयन के सर्वर में तकनीकी दिक्कतें आ रही थी, जिससे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इधर रजिस्ट्रार ऑफिस आने वाले लोगों के लिए कार्यालयों में टेंट भी लगाए गए है, साथ ही कूलर, पानी की भी व्यवस्था की गई है। बताया जा रहा है कि आखिरी दो दिनों में 50 से 60 करोड़ रुपए की कमाई पंजीयन विभाग को होने की उम्मीद है। पिछले 13 दिनों में 300 करोड़ कमाए है और इस तरह इस वित्तिय वर्ष में राजस्व का आंकड़ा 2700 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद की जा रही है।

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

इंदौर, मंगलवार 31 मार्च 2026

उज्जैन व्यापार मेले में 43 दिन में बिके 41,538 वाहन, 3 साल का रिकॉर्ड टूटा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उज्जैन में लगातार तीसरे साल लगे विक्रमोत्सव व्यापार मेले में वाहन ब्रिकी ने नए रिकॉर्ड कायम किए हैं। 15 फरवरी से 29 मार्च तक 43 दिनों तक चले इस मेले में कुल 41,538 वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई। इस बार की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि पूरे मेले के दौरान खरीदारी का उत्साह लगातार बना रहा। आंकड़ों के अनुसार, हर दिन औसतन 966 वाहन बिके, जो उज्जैन मेले के लिए एक नया रिकॉर्ड है। उज्जैन आरटीओ संतोष मालवीय के अनुसार चारपहिया वाहनों की बिक्री ने सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए, जबकि दोपहिया और कमर्शियल वाहनों में भी मजबूत मांग देखने को मिली। कुल बिक्री में 6,958 दोपहिया, 32,548 चारपहिया और 2,032 कमर्शियल वाहन शामिल रहे। मेले की इस अभूतपूर्व सफलता के पीछे मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दी गई 50 प्रतिशत लाइफटाइम रोड टैक्स छूट सबसे बड़ा कारण रही। इस छूट का लाभ उठाने के लिए इंदौर, उज्जैन में आयोजित विक्रमोत्सव मेले के दौरान स्टॉल में बिक्री के लिए रखे चार पहिया वाहन। भोपाल, देवास और रतलाम समेत आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में खरीदार उज्जैन पहुंचे।

करीब 225 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ

इस मेले से करीब 225 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि उपभोक्ताओं को भी टैक्स छूट के रूप में लगभग इतनी ही राशि का सीधा लाभ मिला। कुल कारोबार 6,000 करोड रुपये से अधिक आंका जा रहा है। इस मेले का असर सिर्फ वाहन बिक्री तक सीमित नहीं रहा, बल्कि होटल, रेस्टोरेंट, ट्रांसपोर्ट, बैंकिंग और इंश्योरेंस सेक्टर में भी जबरदस्त गतिविधि देखने को मिली। अंतिम सप्ताह में कई शोरूम्स पर स्टॉक खत्म होने की स्थिति बन गई और डिलीवरी के लिए लंबी वेटिंग लिस्ट लग गई।

न्यूज ब्रीफ

हर व्यक्ति अच्छे चरित्र का निर्माण करे : आचार्य शैलेंद्र तिवारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जीवन में हर व्यक्ति को अच्छे चरित्र का निर्माण करना चाहिए,संसार में विश्वास,श्रद्धा, आस्था बहुत जरूरी है,दृढ़ता के साथ स्थिर रहना जरूरी है,जीवन में मनुष्य को निर्मल स्वभाव रखना चाहिए, आप किसी का सम्मान करेंगे तो आपको सम्मान मिलेगा इसलिए जीवन में सबका आदर भाव सम्मान करे,जीवन में हमेशा भक्ति करते रहना चाहिए, जो व्यक्ति राम का नाम जपता है उसका कल्याण अवश्य होता है,जीवन में क्रोध कभी नही करना चाहिए, कभी किसी के प्रति द्वेष नही रखना चाहिए,संसार में रूप बदल सकते है मगर स्वरूप कभी नहीं बदल सकते है,जीवन में समर्पण का भाव जरूर रखे आपको जीवन में वही मिलेगा जो आपने मन में प्रण किया है, हमे जीवन में रामचरित मानस को आचरण में उतारना चाहिए,व्यक्ति को गुरु के बताए मार्ग पर हमेशा चलना चाहिए। यह बाते सोमवार को आचार्य पं. शैलेंद्र तिवारी ने हुजूरगंज स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर द्वारा आयोजित नौ दिवसीय श्री राम कथा के सातवें दिन कही।

मोबाइल और टीवी के उपयोग, तेज आवाज में संगीत से भी मिर्गी का रोग बढ़ सकता है - डॉ. मेहता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सही जानकारी के अभाव में लोग मिर्गी को अक्सर ऊपरी बाधा, देवी प्रकोप या क्षुत की बीमारी मान लेते हैं जो पूरी तरह भ्रामक और गलत है। मिर्गी रोग के कई कारण हो सकते हैं लेकिन वर्तमान हालातों में अत्यधिक मोबाइल और टीवी के उपयोग, तेज आवाज में संगीत सुनने, अनियमित खानपान, नींद और खून की कमी जैसे कारण भी मिर्गी को बढ़ा सकते हैं। सही समय पर उचित इलाज, परामर्श और देखभाल से इस रोग को नियंत्रित किया जा सकता है और मरीज सामान्य जीवन जी सकता है। शहर की प्रख्यात बाल रोग एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. रेणुका मेहता ने इंदौर एपिलेप्सी एसो. विशेषज्ञ समिति इंदौर चैप्टर के तत्वावधान में पर्पल डे के उपलक्ष्य में गीता भवन में आयोजित विशेष कार्यशाला में उक्त बातें बताई।

दो दिवसीय निशुल्क जांच शिविर में पहुंचे समाज के 1062 से अधिक बंधु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति, बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन एवं हेल्थ फॉर भारत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमती नीनादेवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में चलाए जा रहे स्वास्थ्य परीक्षण अभियान के अंतर्गत स्कीम 140, आंचल नगर स्थित अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के हाईटेक भवन पर आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में रविवार को 610 से अधिक समाज बंधुओं ने शामिल होकर अपनी विभिन्न 32 प्रकार की जांचे कराई। शिविर का शुभारंभ सुबह अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष राम ऐरन, श्रीमती मंजू ऐरन, कुलभूषण मित्तल कुक्की, सुशील बैरीवाला ने महाराजा अग्रसेन का चित्र पूजन कर किया। शिविर के समापन अवसर पर हेल्थ फॉर इंडिया के 20 डॉक्टर्स की टीम का सम्मान भी किया गया।

वैश्य महासम्मेलन की ओर से दिगम्बर जैन समाज के संतों से लिए शुभाशीष

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश वैश्य महासम्मेलन की ओर से महावीर जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को इतवारिया बाजार स्थित कांच मंदिर के सामने संगठन के प्रदेश महामंत्री अरविन्द बागड़ी, जिलाध्यक्ष धीरज खंडेलवाल एवं कैलाशचंद्र खंडेलवाल ने अन्य वैश्य घटकों के पदाधिकारियों के साथ दिगम्बर जैन समाज के जुलूस में शामिल संतों, मुनियों एवं विद्वानों से शुभाशीष प्राप्त किए।

एक सुरक्षित कल की ओर' कार्यक्रम के माध्यम से जागरूकता एवं संवाद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बालिकाओं के मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक सशक्तिकरण के उद्देश्य से पुलिस थाना क्षिप्रा, जिला इंदौर (ग्रामीण) द्वारा 'उम्मीद – एक सुरक्षित कल की ओर' कार्यक्रम का आयोजन थाना क्षेत्र स्थित झवर इंटरनेशनल स्कूल में किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक इंदौर (ग्रामीण) श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में, उप पुलिस अधीक्षक श्री उमाकांत चौधरी एवं एसडीओपी साँवेर के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया, धर्मेंद्र पंड्या (अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति), श्रीमती डॉली डिसूजा (मनोवैज्ञानिक काउंसलर), श्रीमती वानी झासीवाले (चाइल्ड काउंसलर), रचना जौहरी, अभिषेक (शिक्षाविद् एवं समाजसेवी) सहित अनुविभागीय अधिकारी साँवेर देवेंद्र सिंह धुर्वे एवं थाना प्रभारीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की विशेषताएं एवं उद्देश्य

- बालिकाओं के मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास को प्रोत्साहित करना
- बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं आत्मविश्वास के प्रति जागरूक करना
- काउंसलिंग के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान करना
- पुलिस एवं समाज के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत बनाना
- शिक्षा, कौशल विकास एवं पारिवारिक मुद्दों पर मार्गदर्शन देना
- सकारात्मक सोच एवं आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करना
- 'हम आपके साथ हैं' का भरोसा दिलाना

विशेष पहलः पुलिस से परिचय

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदया द्वारा उपस्थित बालिकाओं एवं विद्यालय स्टाफ को उनके क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों से परिचित कराया गया। इस पहल का उद्देश्य यह था कि छात्राएं अपने क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों को पहचान सकें, उनसे सीधे संवाद स्थापित कर सकें एवं किसी भी आवश्यकता या समस्या की स्थिति में बिना झिझक संपर्क कर सकें।

मल्हारगंज थाना क्षेत्र आग

इंदौर ● शहर के मल्हारगंज थाना क्षेत्र की गली नंबर 3 में स्थित होटल वर्ल्ड किचन के गोदाम में सोमवार रात अचानक लगी आग लगने से मच हड़कंप घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया शुरू आग की खबर मिलते ही बिजली विभाग ने तत्काल इलाके की बिजली सप्लाई की बंद ताकि किसी तरह का ना हो सके बड़ा हादसा वहीं सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची।

फाइनेंशियल ईयर क्लोजिंग के नाम पर हो रहे साइबर फ्रॉड पर पुलिस की एडवाइजरी जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फाइनेंशियल ईयर समाप्त होने के साथ ही आयकर भरने, करेक्शन और रिफंड के नाम पर साइबर ठगी के मामलों में तेजी देखी जा रही है। इसे लेकर पुलिस ने आमजन के लिए अलर्ट जारी किया है।

पुलिस के मुताबिक ठग आयकर विभाग के नाम से फर्जी कॉल, SMS और 'ITR Pending' जैसे मैसेज भेजकर लोगों को डराते हैं। इसके बाद OTP, बैंक डिटेल या पैसे की मांग की जाती है। एडवाइजरी में साफ कहा गया है कि आयकर विभाग कभी भी फोन पर OTP या बैंक जानकारी नहीं मांगता। ऐसे में किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और निजी जानकारी किसी से साझा न करें। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि ढ्ढञ्जक्रसे जुड़े सभी कार्य केवल आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही करें। यदि किसी को संदिग्ध कॉल या मैसेज प्राप्त होता है, तो तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। इंदौर पुलिस के एडवाइजरी साइबर ठगों से सतर्क रहें,सावधान रहें और सुरक्षित रहें।

बिना सूचना के कार्य स्थल से अनुपस्थित रहने पर 03 मस्टर वसूली सहायक की सेवा समाप्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार राजस्व वसूली कार्य में लगातार लापरवाही करने के साथ ही कार्य स्थल से बिना अनुमति के अनुपस्थित रहने पर 03 मस्टर वसूली सहायक की सेवा समाप्त तथा 01 वसूली सहायक को निलंबित किया गया।

झोन क्रमांक 9 वार्ड क्रमांक 26 के अंतर्गत राजस्व वसूली कार्य में संलग्न मस्टर वसूली सहायक दिनेश पिता बदामी लाल चौहान विगत 20 दिनों से बिना पूर्व सूचना के कार्य स्थल से अनुपस्थित रहने तथा मस्टर वसूली सहायक तरुण पिता बने सिंह तोमर राजस्व वसूली कार्य में लापरवाही करने पर दोनों मस्टर वसूली सहायक को कार्य एवं हाजिरी से मुक्त किया गया। झोंन क्रमांक 01 वार्ड क्रमांक 10 के अंतर्गत राजस्व वसूली कार्य में संलग्न मस्टर वसूली सहायक अभिषेक महिपाल सरवन जो की विगत 9 फरवरी से लगातार अपने कार्यस्थल पर अनुपस्थित रहने पर मस्टर वसूली सहायक को कार्य एवं हाजिरी से मुक्त किया गया।

इसी प्रकार जलकर विभाग में कार्यरत स्थाई बेलदार निलेश पिता राजाराम पाल जो कि जलकर वसूली कार्य में संलग्न था, किंतु निलेश पिता राजाराम पाल जनवरी 2024 से निरंतर कार्य स्थल से अनुपस्थित रहा, विभाग द्वारा लगातार सूचना पत्र दिए जाने के पश्चात भी अंतिम सूचना पत्र का स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करने पर आयुक्त महोदय के निर्देशानुसार स्थाई बेलदार निलेश राजाराम पाल की को निलंबित किया गया।

आज डॉ आशुतोष शर्मा होंगे सेवानिवृत्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सर सेठ हुकुमचंद आरोग्य मंदिर (लाल अस्पताल), इंदौर के डॉक्टर डॉ. आशुतोष शर्मा 31 मार्च को सेवानिवृत्त होंगे। डॉ. शर्मा पिछले लगभग 23 वर्षों से अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कई मरीजों का इलाज किया और अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया। अस्पताल आने वाले मरीज उनके व्यवहार और कार्यशैली से परिचित रहे हैं। उनके सेवानिवृत्त होने पर अस्पताल स्टाफ और मरीजों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

गौशालाओं में सेवाएँ दे रहे गौसेवक योगेश होलानी का अभिनंदन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गोकुलम सेवा न्यास द्वारा संचालित रेशम केंद्र यशवंत सागर स्थित गोकुलम गौशाला में पिछले 8 वर्षों से निशुल्क सेवा देने वाले शहर के गौसेवक योगेश होलानी का गौशाला द्वारा आयोजित स्नेह मिलन समारोह में अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के मार्गदर्शक मंडल सदस्य हुकुमचंद सांवला, वीरेंद्र धाकड़, अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, उद्योगपति वासु टिबडेवाल(गुजरात अंबुजा), प्रवीण मुरारका, राजेश गर्ग (केटी), ओम प्रकाश अग्रवाल (मोमबत्ती), एसपी बंसल, संजय अग्रवाल, भरत केडिया, नंदकिशोर अग्रवाल, अमित मोदी (तिरुपति स्टार्च), मनीष गुप्ता (फलोदी), विनोद खेमका, मुकेश जैन, देवकीनंदन अग्रवाल, अशोक गुप्ता सहित बड़ी संख्या में इंदौर के उद्योग जगत से जुड़े उद्योगपति, समाजसेवी एवं कई संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

चार सौ से अधिक कन्याओं का पूजन कर भेंट किए स्कूल में काम आने वाले अनेक उपहार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● छोटा बांगड़दा, एयरपोर्ट रोड स्थित बाबाश्री रिसोर्ट पर 401 कन्याओं का पाद पूजन कर उन्हें नए वस्त्र, चुनरी, मुकुट-माला एवं स्कूल में काम आने वाली वस्तुओं के उपहार देकर सम्मानित किया गया। सरकारी स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी इस अवसर पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के प्रमुख जगदीश गोयल ने इस मौके पर कन्याओं, पालकों और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बेटियों को किताबी ज्ञान के साथ संस्कारों की शिक्षा भी जरुर प्रदान करें। बाबाश्री परमार्थिक ट्रस्ट की मेजबानी में आयोजित इस अभिनव कार्यक्रम में आसपास की बस्तियों की 401 कन्याओं को दोपहर 4 बजे से आमंत्रित किया गया था, जहां उनके लिए पसंदीदा खेलों की व्यवस्था के साथ ही अनेक व्यंजनों के स्टाल भी लगाए गए थे।

अग्रवाल परिचय सम्मेलन में 140 से अधिक रिश्तों पर चर्चाओं का दौर शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री अग्रवाल महासभा द्वारा समाजसेवी स्व. मिश्रीलाल गोयल की स्मृति में गांधी हाल पर चल रहे तीन दिवसीय अ.भा. युवक युवती परिचय सम्मेलन में सोमवार को समापन दिवस पर 140 से अधिक रिश्तों पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। सोमवार को विशिष्ट श्रेणी के प्रत्याशियों सहित 220 प्रत्याशियों ने मंच पर पहुंचकर अपने परिचय दिए। नतीजा यह रहा कि इस सम्मेलन में शनिवार को 170, रविवार को 460 और सोमवार को 220 सहित कुल 850 प्रत्याशियों ने मंच पर पहुंचकर अपने भावी जीवनसाथी से अपनी अपेक्षाएं बताई। सांझ ढलते-ढलते करीब 140 रिश्तों पर दोनों पक्षों के पालकों में मंत्रणा शुरू होने की सूचना मिली। समापन दिवस पर हजारों समाज बंधुओं ने उज्जैन से आए ज्योतिषाचार्य पं. नवीन पंड्या के मुख्य आतिथ्य में ग्रीष्मकाल में मूक परिंदों की सेवा के लिए अपने घर-आँगन और

आसपास दाना-पानी रखने का संकल्प लिया, वहीं आयोजन समिति की ओर से समाज बंधुओं को परिंदों की सेवा के लिए सकोरे भी भेंट किए गए। सुबह से शाम तक देश के 12 राज्यों से आए मेहमानों और प्रत्याशियों ने खुलकर इस सम्मेलन की व्यवस्थाओं की सराहना की।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

युद्ध की आंच लोगों की जेब तक: तेल-गैस संकट में कितनी राहत, कब तक राहत

ईरान के खिलाफ इजराइल और अमेरिका के हमले के बाद जिस तरह दुनिया भर में कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हुई है, उसकी वजह से वैश्विक पैमाने पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। ऐसे में भारत में भी यह चुनौती खड़ी है कि इस समस्या के बीच आम लोगों को राहत देने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से उपजे संकट का असर जैसे-जैसे अपने पांव पसारता जा रहा है, वैसे-वैसे यह साफ हो रहा है कि इसकी सबसे गंभीर मार आम लोगों पर पड़ने वाली है। बाजार में जिस तेजी से वस्तुओं की कीमतें चढ़नी शुरू हो गई हैं, उसमें बहुत सारे लोगों के लिए रोजमर्रा की जरूरी चीजों की खरीदारी करते हुए यह सोचने की जरूरत आ खड़ी हुई है कि युद्ध कब खत्म होगा और सामान्य स्थिति कब बहाल होगी। खासतौर पर पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर जिस तरह के हालात पैदा हुए हैं, उसमें स्थिति को सामान्य बनाए रखना सरकार की सबसे अहम प्राथमिकता होनी चाहिए। इस दिशा में एक कदम उठाते हुए सरकार ने पेट्रोल और डीजल के उत्पाद शुल्क में दस-दस रुपए की कटौती की। यों इससे केवल तेल कंपनियों को राहत मिलेगी, लेकिन यह उम्मीद भी की जा सकती है कि फिलहाल आम लोगों के लिए उपलब्ध होने वाले पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रह सकती हैं। हालांकि ईरान के खिलाफ इजराइल और अमेरिका के हमले के बाद जिस तरह दुनिया भर में कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हुई है, उसकी वजह से वैश्विक पैमाने पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। ऐसे में भारत में भी यह चुनौती खड़ी है कि इस समस्या के बीच आम लोगों को राहत देने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं। उत्पाद शुल्क में कटौती से खुले बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम को स्थिर रखने में मदद जरूर मिल सकती है, लेकिन अभी असली समस्या उपलब्धता की है। देश भर से ऐसी खबरें आई हैं कि पेट्रोल-डीजल के लिए लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। संकट ज्यादा गहराने की आशंका में पेट्रोल-डीजल की अतिरिक्त खरीदारी करने को लेकर भी एक तरह की होड़ देखी गई है। दूसरी ओर, रसोई गैस के सिलेंडरों की आपूर्ति जिस पैमाने पर बाधित हुई है, उसकी वजह से चौतरफा चिंता उभरी है।

तमिलनाडु चुनाव में चुनावी हलचल तेज हो गई है , किसका पलड़ा भारी ?

तमिलनाडु चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, राज्य में चुनावी हलचल तेज हो गई है। एक-एक करके सारे दल अपने घोषणापत्र जारी कर रहे हैं। पलानीस्वामी ने एआईएडीएमके का घोषणपत्र जारी किया। उन्होंने कई जाने-पहचाने वादे किए हैं। इसमें महिलाओं को मिलने वाली मासिक नकद सहायता राशि को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये करना, परिवारों को एकमुश्त 10,000 रुपये की राहत राशि देना, पुरुषों के लिए मुफ्त बस यात्रा, प्रति वर्ष तीन एलपीजी सिलेंडर मुफ्त, फसल ऋण माफी, धान के लिए उच्च समर्थन मूल्य और सौर ऊर्जा पर सब्सिडी शामिल है। सबके खास चुनावी वादा है, हर राशन कार्ड धारक को एक फ्रिज देना।पलानीस्वामी ने घोषणापत्र को चुनाव का नायक बताया। एक मायने में, वे सही हैं। तमिलनाडु में, कल्याणकारी वादे कभी भी चुनाव प्रचार का सिर्फ एक हिस्सा नहीं होते। वे अक्सर खुद चुनाव प्रचार होते हैं, वह भाषा जिसके माध्यम से पार्टियां सम्मान, कर्ज, भूख, आकांक्षा और घरेलू तनाव के बारे में बात करती हैं। देखा जाय तो इस समय हिन्दुत्व का राजनीतिक विरोध तमिलनाडु की खास पहचान बना हुआ है। ई।वी। रामासामी द्वारा रखी गई वैचारिक नींव यहां की राजनीति को आज भी आकार दे रही है; यह धार्मिक लामबंदी के बजाय सामाजिक न्याय, भाषाई पहचान और तर्कवाद को प्राथमिकता देती है। यह जीवंत ढांचा आज भी मतदाताओं की अपेक्षाओं और राजनीतिक रणनीतियों को प्रभावित करता है। जैसा कि चेन्नई स्थित शिक्षाविद सी। लक्ष्मणन कहते हैं, तमिलनाडु में चुनाव केवल पहचान के आधार पर नहीं, बल्कि गरिमा, कल्याण और अधिकारों के मुद्दों पर लड़े जाते हैं।

इस ढांचे में अपने पैर जमाने के लिए बीजेपी को संघर्ष करना पड़ रहा है। अपने सांगठनिक आधार का विस्तार करने और नेतृत्व को चमकाने पर भारी-भरकम खर्च करने के बावजूद, उसकी रणनीतियां मोटे तौर पर राज्य की राजनीतिक सोच के अनुरूप नहीं दिखी हैं। धार्मिक पहचान को आगे लाने के प्रयासों को सीमित सफलता ही मिली है, जबकि गठबंधन बनाने की कोशिशें क्षेत्रीय पार्टियों की वजह से बाधित हुई हैं, जो अपनी जगह छोड़ने को तैयार नहीं। जैसा कि पत्रकार एम। सतीश कुमार कहते हैं, तमिलनाडु में बीजेपी की समस्या आकांक्षा-महत्वाकांक्षा की कमी नहीं, बल्कि एक ऐसी राजनीतिक भाषा की कमी है जो लोगों के दिलों को छू सके।

गठबंधन पर अपनी निर्भरता के कारण बीजेपी का एआईएडीएमके (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कजगम) के साथ एक जटिल रिश्ता बन गया है; यह एक ऐसी पार्टी है जो खुद अंदरूनी अस्थिरता से जूझ रही है। जे। जयललिता के निधन के बाद से, एआईएडीएमके को एक एकजुट ताकत के रूप में

खुद को फिर से स्थापित करने में काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। नेतृत्व को लेकर चल रही खींचतान अब गुटों के बीच गहरी और स्थायी दरारों में बदल गई है। हालांकि ई.के. पलानीस्वामी ने संगठन पर कुछ हद तक नियंत्रण हासिल कर लिया है, फिर भी पार्टी में एकता अब भी दूर की कौड़ी बनी हुई है। पकड़ मजबूत करने के उनके प्रयासों ने ओ। पनीरसेल्वम के खेमे से जुड़े गुटों को पार्टी से अलग-थलग कर दिया है; वहीं, वी.के. शशिकला की छाया अब भी पार्टी के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल की तरह मंडरा रही है। कोयंबटूर के वरिष्ठ एआईएडीएमके नेता सिंगाई रामचंद्रन ने बड़ी बेबाकी के साथ समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया: ऐसे समय जब वोट जुटाने पर ध्यान देना चाहिए था, पार्टी अब भी नेतृत्व के मुद्दे पर उलझी हुई है। आलोचकों का कहना है कि पलानीस्वामी अपनी ताकत स्थापित करने में तो सफल रहे हैं, लेकिन आम सहमति नहीं बना पाए हैं। यह असंतुलन पार्टी की उस क्षमता को कमजोर करता है जिससे वह ऐसे चुनाव में विश्वसनीय चुनौती पेश कर सके जिसमें दोनों की आवश्यकता है।

यह विखंडन एआईएडीएमके तक ही सीमित नहीं है। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) अपने मजबूत वन्नियार आधार के साथ प्रभावशाली तो बनी हुई है, लेकिन राजनीतिक रूप से अस्थिर है। आंतरिक फेरबदल, पीढ़ीगत परिवर्तन और बदलते गठबंधन विकल्पों ने इसकी स्थिति को अनिश्चित बना दिया है। हालांकि उत्तरी तमिलनाडु में इसकी कुछ हद तक पकड़ मजबूत बनी हुई है, लेकिन व्यापक विपक्षी विमर्श को आधार देने के लिए आवश्यक एकजुटता का अभाव है। जैसा कि लक्ष्मणन बताते हैं, पीएमके वोट जुटा सकती है, लेकिन उन्हें एकजुट नहीं कर सकती। राज्य की भीड़भाड़ वाले राजनीतिक मंच पर अब अभिनेता विजय ने कदम रख दिया है, जिनका राजनीति में आना उत्साह और उथल-पुथल, दोनों का मेल है। अलग-अलग तबकों में जबरदस्त लोकप्रियता रखने वाले विजय एक नई राजनीतिक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि, उनका शुरुआती असर शायद बिखरा हुआ ही रहने वाला है। उनके समर्थकों का आधार काफी हद तक डीएमके-विरोधी मतदाता वर्ग से मेल खाता है, जिससे अलग-अलग सीटों पर सत्ता-विरोधी वोटों के बंट जाने की संभावना बढ़ जाती है। जैसा कि डीएमके के प्रवक्ता सेलम धरणीधरन बताते हैं, विजय को अगर पांच से आठ फीसद वोट भी मिल जाते हैं, तो वे दर्जनों सीटों के नतीजों को बदल सकते हैं: अपनी छाप छोड़ने के लिए उन्हें किसी जबरदस्त जीत की जरूरत नहीं। फिलहाल, विश्लेषकों का मानना है कि विजय डीएमके के लिए खतरा कम, बल्कि उसके विरोधियों के लिए नई उलझन ज्यादा हैं।विपक्ष की आंतरिक फूट सत्ताधारी गठबंधन की आपसी एकता के बिल्कुल विपरीत है। डीएमके ने, कांग्रेस और सीपीआई (एम) जैसी वामपंथी पार्टियों के साथ मिलकर, न केवल अपने गठबंधन को एकजुट रखा है, बल्कि उसे और मजबूत भी किया है। डीएमके और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर शुरुआती मतभेद, जो अक्सर गठबंधन की राजनीति में टकराव का कारण बनते हैं, बातचीत से सुलझा लिए गए; दोनों ही पक्षों ने अपनी-अपनी अधिकतम मांगें रखने के बजाय एकता के महत्व को प्राथमिकता दी। सीपीआई (एम) ने भी बिना किसी सार्वजनिक विवाद के बातचीत को आगे बढ़ाया, जिससे एक अनुशासित और तालमेल वाले मोर्चे की छवि और मजबूत हुई। कांग्रेस नेता मनिकम टैगोर स्वीकार करते हैं कि मतभेद थे, लेकिन साथ ही इस पर भी जोर देते हैं कि दोनों पक्षों के बीच एक साझा समझ थी कि आपसी फूट का फायदा केवल विपक्ष को ही होगा। वामपंथी दल भी इसी व्यावहारिक सोच का समर्थन करते हैं; वे सीटों के बंटवारे को एक ऐसी समायोजन प्रक्रिया के तौर पर देखते हैं, जिसका मूल उद्देश्य एक व्यापक राजनीतिक लक्ष्य को हासिल करना है। इसके नतीजे साफ हैं। इस बहुदलीय मुकाबले में, अगर विपक्ष के वोट बंट जाते हैं, तो एक मजबूत गठबंधन, अपने स्थिर वोट शेयर के दम पर भी, आसानी से जीत हासिल कर सकता है। डीएमके को अपने विस्तार के लिए कोई बहुत बड़ा कदम उठाने की जरूरत नहीं। उसे बस अपनी जगह पर मजबूती से टिके रहना है, जबकि उसके विरोधियों में बचे वोटों की बंदरबांट होगी।

इससे एक बार फिर 'सत्ता-विरोधी लहर' की ओर ध्यान जाता है। हालांकि सरकार के प्रति कुछ जगहों पर असंतोष हो सकता है, लेकिन एकजुट विपक्ष के अभाव में, यह असंतोष एक निर्णायक चुनावी ताकत में तब्दील होता नहीं दिखता। इसके बजाय, यह असंतोष कई पार्टियों- जैसे एआईडीएमके, बीजेपी, पीएमके और विजय के राजनीतिक मंच- के बीच बंट जाने की संभावना है; और ये सभी पार्टियां एक ही तरह के मतदाताओं को अपनी ओर खींचने की कोशिश करेंगी। जैसा कि एक अनुभवी विश्लेषक कहते हैं, असंतोष तो मौजूद है, लेकिन इस बात पर कोई सहमति नहीं कि इसका फायदा किसे मिलने जा रहा। और यह डीएमके के पक्ष में जाने वाला सबसे बड़ा फायदा है। जब तक एआईएडीएमके के भीतर और विपक्षी दलों के बीच कोई बड़ा फेरबदल नहीं होता, या किसी नई ताकत के इर्द-गिर्द कोई अप्रत्याशित एकजुटता नहीं बनती, एम।के। स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके के सत्ता में बने रहने की स्थिति मजबूत नजर आ रही है। इस बार डीएमके को नए सहयोगियों का भी साथ मिला है, जिसमें अभिनेता से नेता बने कमल हसन की पार्टी मक्कल निधि मय्यम और दिवंगत विजयकांत की स्थापित देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कषगम शामिल हैं। डीएमके ने चुनाव को 'तमिलनाडु बनाम एनडीए' का रूप देने की कोशिश की है। सरकार अपनी योजनाओं, जैसे महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, मासिक आर्थिक सहायता और कैश ट्रांसफर को बड़ा मुद्दा बना रही है। दूसरी तरफ, एआईएडीएमके (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) और भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन वापसी की कोशिश में जुटा है। इस गठबंधन की कमान ईडापड्डी के पलानीस्वामी यानी ईपीएस के हाथ में है। यह चुनाव उनके लिए करो या मरो की तरह देखा जा रहा है, क्योंकि जे जयललिता के निधन के बाद पार्टी लगातार तीन चुनाव हार चुकी है। एआईएडीएमकी ने बीजेपी के साथ फिर से हाथ मिलाया है और टीटीवी दिनाकरन को भी एनडीए में शामिल कर लिया है, ताकि थेवर समुदाय के वोटों को एकजुट किया जा सके। ओ पनीरसेल्वम इसी समुदाय से आते हैं और राज्य की राजनीति में खास तौर पर एआईएडीएमके के लिए यह एक बड़ा वोट बैंक माना जाता है। कुल मिलाकर, तमिलनाडु इस बार ऐसे चुनावी रण में उतर चुका है जहां कई ताकतें, टूटते समीकरण और नए नैरेटिव एक साथ टकरा रहे हैं। यह चुनाव न सिर्फ राज्य की राजनीति का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि क्या पारंपरिक द्रविड़ राजनीति का दबदबा बरकरार रहेगा या कोई नई ताकत उभरकर सामने आएगी।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

आंधी-अलर्ट के बीच 15 मिनट ओलावृष्टि, चना के बराबर ओले गिरे

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • जिले में आंधी और अलर्ट के बीच झिरनिया क्षेत्र में सोमवार को 15 मिनट तक तेज बारिश हुई। इस दौरान चने और बेर के आकार के ओले गिरे। झिरन्या, गोराडिया, खोई, अपरवेदा और नेमित जैसे कई क्षेत्रों में दोपहर बाद मौसम में अचानक बदलाव देखा गया। इन इलाकों में अचानक तेज बारिश शुरू हुई, जो लगभग 15 मिनट तक जारी रही। ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान की आशंका है। भीकनगांव के किसान अरविंद जायसवाल ने बताया कि देर से बोए गए गेहूं की कटाई का अंतिम दौर चल रहा है, और इस बारिश से गेहूं की चमक फीकी पड़ सकती है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी, वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण ओलावृष्टि और बारिश की स्थिति बनी है। जिले में 2 अप्रैल तक ऐसा ही मौसम बने रहने का अनुमान है। मौसम में आए इस बदलाव के कारण पिछले 24 घंटों में तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार को जिले का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

फोरलेन के विरोध में किसान सड़कों पर उतरे, मंडलेश्वर एसडीएमको सौंपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

महेश्वर • बड़वाह-महेश्वर-धामनोद फोरलेन सड़क परियोजना के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण के विरोध में किसानों ने मोर्चा खोल दिया है। भारतीय किसान संघ के आह्वान पर सोमवार को धरगांव पाटीदार समाज धर्मशाला में एक बड़ी बैठक आयोजित की गई। इसके बाद करीब 200 किसानों ने वाहन रैली निकालकर प्रशासनिक कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री और कलेक्टर के नाम मंडलेश्वर स्ङ्करूको ज्ञापन सौंपा। किसानों का मुख्य विरोध जमीन की सरकारी दरों को लेकर है। किसान संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि महेश्वर और मंडलेश्वर के समीप स्थित ग्राम लाडवी जैसे क्षेत्रों में जमीन का वास्तविक बाजार मूल्य 1 करोड़ रुपये प्रति बीघा से अधिक है, जबकि सरकारी गाइडलाइन दरें मात्र 5 से 10 लाख रुपये प्रति बीघा हैं। किसानों ने मांग की है कि वर्तमान गाइडलाइन दरों में 300 प्रतिशत की वृद्धि की जाए और अधिग्रहण अधिनियम 2013 के तहत बाजार मूल्य का चार गुना मुआवजा दिया जाए। ज्ञापन में यह भी स्पष्ट किया गया कि भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना से पहले ही प्रशासन द्वारा भूमि उपयोग परिवर्तन (डायवर्सन) के आवेदनों पर रोक लगाई जा रही है, जो असंवैधानिक है। किसानों ने मांग की है कि अंतिम अधिसूचना जारी होने से पहले तक प्राप्त सभी डायवर्सन आवेदनों को मान्य किया जाए और उसी

आधार पर मुआवजा तय किया जाए।

किसानों ने अपने तर्क में इंदौर में वेस्टर्न रिंग रोड और इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड रोड परियोजनाओं का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में गाइडलाइन दरों में 200 से 300 फीसदी की बढ़ोतरी कर किसानों को राहत दी गई थी, और यही प्रक्रिया इस फोरलेन प्रोजेक्ट में भी अपनाई जानी चाहिए। किसानों ने ज्ञापन में कुछ अन्य प्रमुख मांगें भी रखीं। इनमें बहुफसली उपजाऊ जमीन के बदले उपजाऊ भूमि का प्रावधान, ग्रामवार सर्वे और विस्तृत विवरण के साथ जनसुनवाई के बिना प्रक्रिया आगे न बढ़ाने की शर्त शामिल है। इसके अतिरिक्त, पशुपालन, डेयरी और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले सामाजिक प्रभाव का आकलन करने तथा प्रस्तावित सड़क की ऊंचाई सामान्य रखने की भी मांग की गई है, ताकि भविष्य में किसानों को आवागमन और खेती में सुविधा हो।

महंगाई, सिंचाई और पेयजल संकट पर कांग्रेस का प्रदर्शन, पंधाना में कांग्रेस ने रैली निकाली

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • पंधाना क्षेत्र में किसानों की फसलों को पानी की कमी और बढ़ती महंगाई के विरोध में सोमवार को कांग्रेस ने प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन दिया। कांग्रेस ने सुक्ता डेम से कमांड क्षेत्र में पानी उपलब्ध कराने और दीवाल क्षेत्र में पेयजल समस्या के निराकरण की मांग प्रमुखता से उठाई। ज्ञापन में बताया गया कि सुक्ता नहर परियोजना से जुड़े गांवों में रबी की फसल पकने की अवस्था में है, लेकिन पानी की कमी के चलते फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई हैं। इस साल निर्धारित पांच पानी के बजाय केवल चार बार ही सिंचाई हो सकी, जिससे समय से पहले जल संकट उत्पन्न हो गया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मांग की कि किसानों को नुकसान से बचाने के लिए तुरंत पानी छोड़ा जाए। इसके साथ ही पंधाना ब्लॉक के दीवाल क्षेत्र सहित कई गांवों में पेयजल की गंभीर समस्या बताई गई। ग्रामीणों और पशुओं के लिए पानी की भारी किल्लत से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। ज्ञापन में प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग की गई।

कर्ज, गैस संकट जैसे मुद्दे भी उठाए

कांग्रेस ने सेवा सहकारी समितियों द्वारा किसानों से की जा रही ऋण वसूली की तारीख को भी आगे बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थिति में किसानों को आर्थिक राहत दी जानी चाहिए। इसके अलावा गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि, बिजली दरों में प्रस्तावित बढ़ोत्तरी और पेट्रोल-डीजल की कमी व महंगाई को लेकर भी विरोध जताया। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह पुरनी, ब्लॉक अध्यक्ष संजीव पटेल, जिला पंचायत सदस्य मनोज भरतकर और कांग्रेस नेत्री रूपाली बारे, सचिन बारे, आशाराम ठाकुर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

छैगांवमाखन पहाड़ी पर खुदाई में निकली देवी प्रतिमा, बाबा के स्वप्न में आई तो खुदाई कराई

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा के छैगांवमाखन क्षेत्र में एक पहाड़ी पर देवी प्रतिमा के निकलने से लोगों की भीड़ उमड़ आई। मामला काफी रोचक है, पहले तो एक बाबा को स्वप्न आया था कि यहां पहाड़ी पर मूर्ति हैं, फिर उसने गांव के सरपंच से संपर्क किया और ग्रामीणों की मदद से एक-दो जगह खुदाई कराई, तब एक देवी प्रतिमा वहां निकली, जो कि पाषाणकालीन पत्थर की मूर्ति है।

मामला ग्राम भुईफल स्थित कांजीबेड़ा पहाड़ी का है। इसी पहाड़ी पर एक चर्च है। साथ ही जिले का भूकंप मापी यंत्र भी स्थापित है। अब इस पहाड़ पर देवी प्रतिमा निकलने से लोगों का जमावड़ा लग गया है। फोटो-वीडियो वायरल हो रहे हैं। आज (सोमवार) मूर्ति के निकलने के साथ ही लोगों की आस्था इतनी बढ़ी कि लोगों ने देवी की प्रतिमा को वहीं स्थापित करने और मंदिर बनाने का संकल्प ले लिया है। मामले में ग्राम भुईफल की सरपंच लक्ष्मीबाई मंडलोई ने बताया कि सालभर से एक व्यक्ति जिसके अंग में देवी आती हैं, वह उनसे संपर्क कर रहा था कि कांजीबेड़ा पर देवी की प्रतिमा है और वह उसके स्वप्न में आकर उसे परेशान करती हैं। हमने ध्यान नहीं दिया, फिर अब नवरात्रि के दौरान उस राजु भील निवासी अंजनिया कलां गांव (पुनासा क्षेत्र) का फिर फोन आया और वह गांव आ गया। आज सोमवार को इस बारे में हमने गांव के लोगों से बातचीत की।

मेरे पति गजराज मंडलोई ने ग्रामीणों के साथ उस व्यक्ति को कांजीबेड़ा ले गए। जहां खुदाई के दौरान देवी प्रतिमा मिली। इसकी सूचना प्रशासन को दी है। पुलिस-अधिकारी मौके पर पहुंचे, उन्होंने निगरानी समिति बनाने के निर्देश दिए हैं। बाकी प्रतिमा को उसी जगह पर टेंट लगाकर रखा गया है। वहां दर्शन के लिए लोग आ रहे हैं। गांव वालों ने उसी जगह पर मंदिर बनाने का संकल्प लिया है।

वित्तीय वर्ष... निगम की सख्ती, 13 लाख बकाया टैक्स वसूला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति में दो दिन शेष रहते ही निगम द्वारा सख्ती से बकाया वसूली की जा रही है। रविवार को अवकाश के दिन भी निगम के काउंटर खुले रहे और सहायक राजस्व निरीक्षकों ने घर-घर जाकर टैक्स वसूली की। इस दौरान करीब 13 लाख रुपए का राजस्व वसूला गया। निगम टीम ने मधुसूदन टावर गली, कहारवाड़ी और खानशाहवली क्षेत्र में कुर्की की कार्रवाई भी की। इस दौरान कई बकायादारों ने तत्काल बकाया राशि जमा कराई। उपायुक्त सचिन सिटोले ने बताया लक्ष्य पूरा करने के लिए अंतिम दिनों में वसूली अभियान और तेज किया जाएगा।

युवा विधायक सम्मेलन में मंजू दादू ने रखा विजन-2047, पारंपरिक राजनीति से आगे बढ़कर विकास-एकता की नई दिशा बताई

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • भोपाल में आयोजित दो दिवसीय युवा विधायक सम्मेलन में सोमवार को नेपानगर विधायक मंजू दादू ने विकसित भारत 2047 के विजन पर अपना प्रभावी पक्ष रखा। उन्होंने तीन राज्यों के 63 युवा विधायकों के बीच लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका और जनभागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। विधायक दादू ने अपने संबोधन में कहा कि एक युवा विधायक को शासक के बजाय सुविधा प्रदाता की भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब समाज के हर वर्ग, विशेषकर युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो। उनके अनुसार, युवा विधायक पारंपरिक राजनीति और नई पीढ़ी की आकांक्षाओं के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने वर्तमान राजनीति को नई दिशा देने के लिए तकनीक, नवाचार और भविष्य उन्मुख सोच अपनाने की आवश्यकता बताई। मंजू दादू ने जलवायु परिवर्तन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों को प्राथमिकता में लाने पर बल दिया। नागरिकों की निरंतर भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने टाउन हॉल मीटिंग, युवा संसद और डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि युवा नेतृत्व में जाति, धर्म और क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर विकास और एकता की राजनीति को आगे बढ़ाने की क्षमता है। दादू ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को भी नीति का महत्वपूर्ण आधार बताया।

युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के लिए विधायक इंटर्नशिप, छात्र पंचायत और जमीनी संवाद जैसे नवाचारों को आवश्यक बताया गया। उन्होंने कहा कि नागरिकों को केवल मतदाता नहीं, बल्कि निर्णय प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाना ही सशक्त लोकतंत्र की पहचान है। दादू ने विकसित भारत 2047 के संकल्प को एक सामूहिक राष्ट्रीय अभियान बताया, जिसमें युवा विधायकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने डिजिटल गवर्नेंस, कौशल विकास और स्थानीय आवश्यकताओं के समन्वय से योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की बात कही।

आईपीएल : आज गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला

चंडीगढ़ (एजेंसी) • भारतीय टी-20 टीम से बाहर बल्लेबाज शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जब आईपीएल में क्रमश: गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स की अगवाई करेंगे, तो उनका इरादा खुद को साबित करने का भी होगा। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान गिल को टी-20 टीम का उपकप्तान बनाया गया था, लेकिन बाद में विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया। वर्ष 2023 के बाद से आईपीएल में गिल से ज्यादा रन सिर्फ विराट कोहली ने बनाए हैं, लेकिन अब फोकस निरंतरता की बजाय स्ट्राइक रेट पर है। गिल का टी-20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है, लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। अब बल्लेबाजी कोच के तौर पर मैथ्यू हेडन स्टाफ का हिस्सा हैं। लिहाजा गिल की छक्के मारने के कौशल और बल्लेबाजी पर नजर रखी जाएगी। हार्दिक पांड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी का जिम्मा भी बखूबी संभाला है। अपने पदार्पण वर्ष 2022 में आईपीएल खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफी संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। वहीं, पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा, जो तीन अलग-अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची, जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद श्रेयस को भारतीय टी-20 टीम में जगह नहीं मिली और भारत के लिए आखिरी टी20 उन्होंने दिसंबर, 2023 में खेला था। पंजाब की ताकत उसके भारतीय क्रिकेटरों में हैं, जिनमें सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य शामिल हैं। मध्यक्रम में निहाल वढेरा, शशांक सिंह और सूर्यांश शेडगे हैं, जिनका सामना राशिद खान की अगवाई में बेहतरीन स्पिन आक्रमण से होगा।

'राम' के किरदार की अगली झलक जारी होगी 2 अप्रैल को

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर को भगवान राम के रूप में देखने का इंतजार कर रहे फैंस के लिए अब एक बड़ी खबर सामने आई है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में लंबे समय से जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने इस बहुप्रतीक्षित फर्स्ट लुक की तारीख का खुलासा कर दिया है। नमित मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि फिल्म से 'राम' के किरदार की अगली झलक 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर जारी की जाएगी। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि 'रामायण' सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं से जुड़ी हुई है। इसी वजह से पूरी टीम ने इस प्रोजेक्ट पर बेहद जिम्मेदारी और समर्पण के साथ काम किया है, ताकि इसे भव्यता और वास्तविकता के साथ दर्शकों के सामने पेश किया जा सके। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यह झलक किसी साधारण रिलीज की तरह नहीं होगी, बल्कि इसे एक बड़े स्तर पर दुनिया भर के दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने फैंस के धैर्य और विश्वास के लिए उनका धन्यवाद भी किया और कहा कि कई वर्षों की मेहनत को अब एक भव्य लॉन्च के जरिए साझा किया जाएगा। इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं और इसमें कई बड़े सितारे अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। साई पल्लवी सीता के किरदार में दिखाई देंगी, जबकि यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा सनी देओल हनुमान, रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में अमिताभ बच्चन और लारा दत्ता भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। मालूम हो कि फिल्म 'रामायण' को बड़े बजट और भव्य स्तर पर तैयार किया जा रहा है, जिससे यह भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बन सकती है।

अब अमेरिका में मेजर लीग में खेलेंगे अश्विन

चेन्नई (एजेंसी) • पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्चिन अब अमेरिका में मेजर लीग (एमएलसी) टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलेंगे। अश्विन ने इस लीग में खेलने के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स फ्रैंचाइजी से करार किया है। इसके साथ ही अश्विन अमेरिकी लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। अश्विन ने दिसंबर 2024 में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद पिछले साल वह आईपीएल में सीएसके की ओर से उतरे थे पर उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। ऐसे में लीग के बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसी कारण अब वह विदेशी लीग की ओर मुड़े हैं।

वह पहली बार आईपीएल के अलावा किसी विदेशी टी-20 लीग में खेलते दिखेंगे। ये पहली बार होगा जब वह आईपीएल के अलावा किसी लीग में खेलते दिखेंगे। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर के साथ करार किया था पर तब फिट नहीं होने के कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था। अश्विन की टीम सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। साल 2024 में वे फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन वॉशिंगटन फ्रीडम से हार गए थे। ऐसे में टीम को अब उम्मीद रहेगी कि अश्विन के आने से उसे जीत मिलेगी।

वहीं अश्विन भी इस लीग में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इस लीग से अमेरिका में क्रिकेट का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा,हाल ही में मैंने डलास में एक प्रदर्शनी मैच खेला था। वहां एशियाई मूल के लोगों का क्रिकेट के प्रति जुनून देखकर मुझे आश्चर्य हुआ था। वहां क्रिकेट की काफी संभावनाएं हैं। साथ ही कहा कि अमेरिका में रह रहे लोग और खासकर बच्चे जिस तरह से इस खेल के प्रति प्यार दिखा रहे हैं, उसे करीब से अनुभव करने के लिए मैं इस लीग में खेलने जा रहा हूं। साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में क्रिकेट भी शामिल किया गया है। उससे भी अमेरिका में क्रिकेट के प्रति आकर्षण बढ़ा है। ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट की 128 साल बाद वापसी होने जा रही है। इसी को देखते हुए भी क्रिकेट अमेरिका इस अवसर को भुनाना चाहता है। इसी को देखते हुए एलएलसी के मुख्य कार्यकारी जॉनी ग्रेव ने कहा, अश्विन जैसे खिलाड़ी का हमारे साथ जुड़ना यह बताता है कि पिछले तीन सालों में हमारी लीग कितनी आगे बढ़ी है।

दिखावे से ज्यादा अहमियत अभिनय को देना चाहिए : सिद्धांत

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी का मानना है कि दिखावे से ज्यादा अहमियत अभिनय को दी जानी चाहिए और वही उनकी असली पहचान है। अभिनेता ने साफ कहा कि उन्हें फैशन को लेकर किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता। उनके अनुसार, उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम एक अभिनेता बनने के लिए रखा था और अब जब उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है, तो वही उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने यह भी बताया कि उनका पूरा ध्यान अपने अभिनय कौशल को बेहतर बनाने पर रहता है, न कि बाहरी दिखावे पर। सिद्धांत ने फैशन को लेकर अपनी सोच साझा करते हुए कहा कि वह इसे अलग से करने वाली चीज नहीं मानते। फिल्मों में जो किरदार निभाते हैं, उसी के मुताबिक उन्हें कपड़े पहनने का मौका मिलता है और वही उनका स्टाइल बन जाता है। उनका मानना है कि फैशन को लेकर ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है और न ही 'परफेक्ट' दिखने के दबाव को खुद पर हावी होने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि असली स्टाइल कपड़ों से नहीं, बल्कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी से झलकता है। उनके मुताबिक, जो व्यक्ति सहज और आत्मविश्वासी होता है, वही सबसे ज्यादा स्टाइलिश नजर आता है। सिद्धांत का मानना है कि जब इंसान खुद जैसा रहता है, तो उसका आत्मविश्वास ही उसका सबसे बड़ा 'स्वैग' बन जाता है। फैशन के ट्रेंड्स को लेकर उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा इसके बारे में सोचने लगता है, तो वह दूसरों की नकल करने लगता है। इससे उसकी अपनी पहचान खो सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि फैशन में सबसे जरूरी है खुद को नेचुरल तरीके से पेश करना और अपनी असलियत को बनाए रखना, न कि किसी ट्रेंड के पीछे भागना।

सिद्धांत चतुर्वेदी की यह सोच आज के दौर में खास मायने रखती है, जहां सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण लोग अक्सर अपनी असली पहचान से दूर होते जा रहे हैं। उनका यह नजरिया न केवल नए कलाकारों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सफलता के लिए सबसे जरूरी है अपने हुनर और आत्मविश्वास पर भरोसा रखना। मालूम हो कि आज के डिजिटल दौर में जहां सोशल मीडिया ने हर किसी की जिंदगी को प्रभावित किया है, वहीं फिल्मी सितारों पर 'परफेक्ट' दिखने का दबाव भी लगातार बढ़ता जा रहा है।

उज्जैन संभाग

एआई रोबोटिक्स, ड्रोन, 3डी प्रिंटिंग में मिलेगी नौकरियां:कलेक्टर

पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के बाद ट्रेनिंग; 10वीं-12वीं पास युवाओं के लिए अवसर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •आईटीआई उज्जैन में आर्टिफिशल इंटेलिजनेस, रोबोटिक्स, ड्रोन, 3डी प्रिंटिंग और वेब 3.0 जैसी आधुनिक तकनीकों की शिक्षा प्रदान की जा रही है। पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर ट्रेनिंग प्राप्त करने के बाद उद्योगों में रोजगार मिल सकेंगे। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोमवार दोपहर प्रशासनिक संकुल भवन के कलेक्टर कार्यालय सभागृह में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरुप जिले में युवाओं को ट्रेनिंग देकर रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

आवेदक को मिलेगा 2 माह का प्रशिक्षण

कलेक्टर सिंह ने बैठक में UtkarshUjjain.com पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर ट्रेनिंग प्राप्त करने के बाद उद्योगों में रोजगार सुनिश्चित करने के लिए एमपीआईडीसी, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, डीआईसी आदि को समन्वय कर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। पोर्टल पर 12वीं पास किए हुए आवेदक 2 माह के प्रशिक्षण और मूल्यांकन के बाद सोलर इंडस्ट्री में और 10वीं पास आवेदक 2 माह के प्रशिक्षण के बाद गारमेंट इंडस्ट्री में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

आधुनिक तकनीकों की शिक्षा पर विशेष ध्यान

कलेक्टर ने आईटीआई में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 अंतर्गत आईटीआई उज्जैन में नए युग के कोर्स आर्टिफिशल इंटेलिजनेस, रोबोटिक्स, ड्रोन, 3ष्ठ प्रिंटिंग और वेब 3.0 जैसी आधुनिक तकनीकों की शिक्षा पर विशेष ध्?यान देकर युवाओं की वैश्विक मार्केट के अनुसार स्किल सेट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2025-26 में 10 रोजगार, स्वरोजगार युवा संगम मेलों में 1779 आवेदकों का रोजगार के लिए प्रारंभिक चयन, 214 छात्रों को अप्रेंटिसशिप का अवसर प्राप्त हुआ है और 2313 आवेदकों को स्वरोजगार प्राप्त हुआ है।

एमआर-4 : हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनी के मकान तोड़ेंगे खाली मिल की जमीन में रोड बना दें तो 50 घर बच जाएंगे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • गाडी अड्डा से मक्सी रोड बायपास तक जाने वाली एमआर-4 चौड़ीकरण के लपेटे में मप्र हाउसिंग बोर्ड की? अधिकृत कॉलोनी भी आ गई। सारे तय मापदंडों पूरे करते हुए सरकारी संस्था द्वारा बसाई इस कॉलोनी की सड़क से लगी एक पूरी लाइन के 30 मकान तोड़ने की तैयारी हो गई। निगम ने मकानों पर निशान भी लगा दिए। जबकि यहां बगैर तोड़फोड़ किए भी मिल की खाली जमीन में सड़क बनाकर 50 घरों को टूटने से बचाया जा सकता है। क्योंकि मप्र हाउसिंग बोर्ड ने यह कॉलोनी वर्ल्ड बैंक से कर्ज लेकर बसाई थी। वर्ल्ड बैंक ने भी पूरा सर्च करने के बाद फायनेंस किया।

शासकीय संस्था ने भी कॉलोनी एक्ट के सारे नियमों का पालन करते हुए नक्शा अप्रूव कराते हुए कॉलोनी बसाई। आम लोगों ने भी सरकारी संस्था पर भरोसा जताते हुए यहां प्लॉट और मकान खरीदे। ?बावजूद इसके मप्र हाउसिंग बोर्ड की विश्व बैंक कॉलोनी ढांचा भवन के 30 से ज्यादा मकानों पर निशान लगाते हुए नगर निगम ने इन्हें 25 से 30 फीट अंदर तक तोड़ने की तैयारी की ली। यही ऐसा हुआ तो हाउसिंग बोर्ड व यूडीए जैसी शासकीय संस्थाओं की कॉलोनियों से भी आमजनों को भरोसा उठ जाएगा।

टीएंडसीपी अप्रूव सरस्वती नगर के भी 20 मकान तोड़ेंगे ढांचा भवन कॉलोनी से लगे सरस्वती नगर को 4 साल पहले साल 2022 में ही टीएंडसीपी ने अप्रूव किया। इसका नक्शा पास करते हुए कॉलोनी को अधिकृत किया। अब यहां के भी 20 मकानों को तोड़ने के लिए सोमवार को नोटिस जारी हो गए। सड़क शिफ्ट हो जाए तो खतरनाक मोड भी खत्म: हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनी के एक कोने पर एल आकार का टर्न है। जहां हर दिन हादसे होते है। सड़क को उक्त पुरानी सड़क के अलावा अलग से हीरा मिल की जमीन पर बना दिया जाए तो यह टर्न भी खत्म हो जाएगा।

रहवासियों की पीड़ा : 15 साल पहले 17 लाख में दुकान खरीदी, जो पूरी तोड़ रहे हाउसिंग बोर्ड की ढ़ांचा भवन कॉलोनी में करीब 15-16 साल पहले अरुण अग्रवाल ने 8 बाय 10 की एक दुकान 17 लाख रुपए में खरीदकर मेडिकल खोल लिया। यह पूरी दुकान तोड़ते हुए पीछे के मकान का 2 फीट हिस्सा तोड़ने के लिए चिह्नित कर दिया। कृष्णा चौहान ने 2009 में हाउसिंग बोर्ड से मकान लिया। 2022 में निगम से अनुमति लेकर डबल मंजिल मकान बनवाया। इसके लिए उन्होंने 16 लाख रुपए लोन लिए।

'महाकाल: द मास्टर ऑफ टाइम':अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ज्ञान परंपरा और आधुनिक अंतरिक्ष विज्ञान पर होगा वैश्विक मंथन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगामी 3 अप्रैल को उज्जैन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकाल: द मास्टर ऑफ टाइम' के उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे। यह सम्मेलन 3 से 5 अप्रैल तक उज्जैन के समीप डोंगला में होगा। सम्मेलन का उद्घाटन उज्जैन स्थित तारामंडल परिसर में होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन, जो प्राचीन काल से समय गणना और खगोल विज्ञान का केंद्र रही है, यहां एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक और बौद्धिक संगम होने जा रहा है। आधुनिक अंतरिक्ष विज्ञान के समन्वय पर केंद्रित यह सम्मेलन देश-विदेश के वैज्ञानिकों, खगोलविदों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों तथा अंतरिक्ष क्षेत्र के विशेषज्ञ कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में साइंस सेंटर का उद्घाटन भी किया जाएगा। कार्यक्रम में यूएवी (अनमैन्ड एरियल व्हीकल) एवं आरसी (रिमोट कंट्रोल) और सैटेलाइट मेकिंग (उपग्रह निर्माण) विषयों पर विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। तीन दिवसीय कार्यक्रम मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) और विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा, कार्यक्रम उज्जैन से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित डोंगला में आयोजित होगा। डोंगला को कर्क रेखा के यहां से गुजरने के कारण इसे काल गणना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। सम्मेलन में उज्जैन-डोंगला को वैश्विक मेरिडियन (मध्यान रेखा) के रूप में स्थापित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की जाएगी।

नगर निगम बजट 2026-27 पास, सिंहस्थ तैयारी, सड़क निर्माण और सौंदर्यीकरण पर रहेगा जोर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • नगर निगम का वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट सर्वसम्मति से पारित हो गया है। लगभग 4592 करोड़ रुपए के आय-व्यय वाले इस बजट में 22.50 लाख रुपए की बचत का अनुमान है। इस बजट में सिंहस्थ की तैयारियों, सड़क निर्माण, सौंदर्यीकरण और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। यह बजट सोमवार को निगम अध्यक्ष कलावती यादव की अध्यक्षता में आयोजित उज्जैन नगर पालिक निगम के स्थगित सम्मेलन में पारित किया गया। इस दौरान महापौर मुकेश टटवाल, निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, पार्षद और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बजट को सर्वसम्मति और ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। महापौर मुकेश टटवाल ने बजट भाषण प्रस्तुत करते हुए इसे अपने कार्यकाल का चौथा बजट बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट शहर के समग्र विकास और आगामी सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। संशोधित बजट के अनुसार, कुल आय 4592 करोड़ 18 लाख रुपए और कुल व्यय

4591 करोड़ 95 लाख रुपए निर्धारित किया गया है। इससे 22.50 लाख रुपए की बचत होने का अनुमान है। बजट में सिंहस्थ की तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसमें सड़क चौड़ीकरण, चौराहा और उद्यान सौंदर्यीकरण, पार्किंग निर्माण, कचरा प्रबंधन और जल आपूर्ति जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। हरियाखेड़ी जल परियोजना के तहत 821 करोड़ रुपए के कार्य भी प्रगति पर हैं। इसके अतिरिक्त, शहर में 12 नई सड़कों का निर्माण, 31 सीसी रोड और फुटपाथ का निर्माण, पेवर ब्लॉक कार्य और विभिन्न प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण का काम चल रहा है। कचरा प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए नए वाहनों की भी व्यवस्था की गई है।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर-शारजाह फ्लाइट फिर पटरी पर.. 5 अप्रैल से बुकिंग शुरू, लेकिन उड़ान पर संकट बरकरार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर से शारजाह के बीच बंद पड़ी फ्लाइट को लेकर यात्रियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। एयर इंडिया ने 5 अप्रैल से इस रूट पर बुकिंग शुरू कर दी है, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि फ्लाइट सेवा दोबारा शुरू हो सकती है। हालांकि अंतरराष्टीय हालात को देखते हुए इसके संचालन पर अब भी संशय बना हुआ है। यह फ्लाइट 28 फरवरी से बंद है, जब यूएई के कई शहरों पर हमलों के बाद उड़ानों को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। अब एयरलाइन ने सप्ताह में चार दिन-सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार-उड़ान संचालित करने की योजना बनाई है। अंतरराष्ट्रीय तनाव, खासकर ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे हालातों का असर अब भी हवाई सेवाओं पर दिखाई देरहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थिति सामान्य नहीं हुई तो फ्लाइट की शुरुआत फिर टल सकती है। फ्लाइट बंद होने के बाद इंदौर से यूएई जाने वाले यात्रियों को दिल्ली, मुंबई जैसे बड़े शहरों से होकर सफर करना पड़ रहा है।

एक साथ तीन गूंजी किलकारियां

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इन्दौर के ईएसआई नंदा नगर अस्पताल में एक महिला ने तीन बच्चों का जन्म दिया पहली डिलीवरी जुड़वा होने की संभावना थी तो डॉक्टर ने यह जताई थी लेकिन तीसरे का अंदाजा बिल्कुल नहीं था। दो बच्चों के बाद डाक्टर ने बताया कि गर्भ में एक और बच्चा है, परंतु परिवार वालों को यकीन नहीं हुआ। कुछ देर बाद डिलीवरी रूम से खबर आई कि एक और लड़का हुआ है। यह जानकर चेहरे खिल गये। तीन बचों और माँ स्वस्थ हैं। महिला ने कहा कि हम दो हमारे तीन खुस है । यह तो ईश्वर की देने है ' इसी प्रकार आजमगढ़ उत्तर प्रदेश एक जुडवा बचों को जन्म दिया था जिसके चार हाथ एवं चार पैर थे। यह जानकर माँ चल बसी और बच्चे स्वस्थ बताए गए हैं।

आईडीए के पास 1000 करोड़ की एफडी, लेकिन विकास योजनाएं ठप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर की सबसे बड़ी विकास एजेंसी आईडीए यानी इंदौर विकास प्राधिकरण है। आर्थिक ताकत के मामले में यह इंदौर नगर निगम से भी आगे है। इसके पास 1000 करोड़ रुपए की एफडी जमा है। इस एफडी से हर साल 60 करोड़ रुपए से ज्यादा का ब्याज आता है। लेकिन इतनी ताकत के बावजूद हालात अच्छे नहीं हैं। सितंबर 2025 से आईडीए के काम लगभग ठहर से गए हैं। न पुरानी योजनाओं का अता-पता है, न नई योजनाएं आगे बढ़ रही हैं।

कब से रुका सब?

मोहन सरकार बनने के बाद आईडीए में राजनीतिक नियुक्तियां खत्म हो गईं। इसके बाद से संभागायुक्त को प्रशासक बनाया गया है। अभी संभागायुक्त डॉ. सुदाम पी. खाड़े प्रशासक हैं। सीईओ के पद पर डॉ. परीक्षित झाड़े हैं। यही दोनों मिलकर आईडीए को संभाल रहे हैं। अब सबकी नजरें 31 मार्च को आने वाले आईडीए बजट पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि इस बार बजट 1500 करोड़ रुपए से भी कम का रह सकता है।

कौन से बड़े प्रोजेक्ट अटके हैं?

1150 करोड़ रुपए का स्टार्टअप पार्क अभी सिर्फ फाइलों में बंद है। जिम्मेदार अधिकारी अब तक यह भी तय नहीं कर पाए हैं कि, इसे पीपीपी मोड पर बनाना है या किसी और तरीके से। 545 करोड़ रुपए के कन्वेंशन सेंटर के

लिए पीपीपी आधार पर काम होना है। इसके लिए टेंडर हाल ही में हुए हैं लेकिन आगे की राह अभी साफ नहीं है। कुमेडी में आईएसबीटी बस स्टेशन एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं के साथ बनाया गया था। इसे बने हुए लगभग एक साल होने को आया, लेकिन इसे चलाने वाली एजेंसी अभी तक तय नहीं हो पाई। बिना इस्तेमाल के यह धीरे-धीरे खराब होने लगा है।

स्नेहधाम और फ्लाईओवर का हाल

80 करोड़ रुपए का स्नेहधाम बुजुर्गों के लिए बनाया गया था। इसे बिना किसी लिखित करार के एक कंपनी को सौंप दिया गया। उस कंपनी ने बुजुर्गों को हटाने के नोटिस तक दे दिए। द सूत्र के मुद्दा उठाने के बाद बुजुर्गों को फिलहाल राहत मिली है, लेकिन यह प्रोजेक्ट अभी भी अधर में लटका है। शहर में कई फ्लाईओवर और ब्रिज बनाने की योजनाएं हैं। बड़ा गणपति और मरीमाता चौराहे पर फ्लाईओवर के वर्क ऑर्डर हो चुके हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की बैठक भी हो चुकी है। लेकिन काम अभी बैठक से आगे नहीं बढ़ा।

सिंहस्थ 2028 की तैयारी भी पीछे

उज्जैन सिंहस्थ 2028 के लिए एमआर 12 बहुत जरूरी है। लेकिन यह सड़क अभी अधूरी पड़ी है। इसकी बाधाएं कैसे दूर होंगी, यह किसी को नहीं पता। एमआर 10 के ब्रिज को चौड़ा किया जाना है उस पर भी कोई ठोस कदम नहीं उठा है।

पुरानी घोषणाएं भी फाइल में बंद

पिछले बजट में कई बड़ी घोषणाएं हुई थीं। रिवर साइड कॉरिडोर, मोरोद में अनाज मंडी की शिफ्टिंग और स्कीम 97 में सिटी फॉरेस्ट बनाने का ऐलान हुआ था। ये सभी अभी भी फाइलों में ही बंद हैं। कई अहम प्रोजेक्ट पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन से बाहर नहीं निकले हैं। स्कीम 171 पुष्पविहार और 13 अन्य संस्थाओं के चार हजार से ज्यादा प्लॉट धारक भी परेशान हैं। ये लोग स्कीम मुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। इसके लिए बोर्ड मीटिंग तक नहीं हो पाई है।

एमआईसी मेंबर ने ही अधिकारियों पर लगाए विज्ञापन घोटाले के आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम में विज्ञापन घोटाला नया नहीं है। ठेका लेने वाली एजेंसिया तय समय के बाद भी और तय जगह के अतिरिक्त भी लगातार पोल लगाकर विज्ञापन से कमाई करती आई हैं। इस पर जिम्मेदार अधिकारी लगातार आंखें मूंदे रहे। अब इंदौर में मेट्रो लाइन के नीचे ही विज्ञापन घोटाला हो गया है। यह मुद्दा खुद एमआईसी मेंबर राजेंद्र राठौर ने उठाया और इसकी शिकायत निगमायुक्त आईएएस क्षितिज सिंघल से की है। हालांकि मार्केट विभाग जिसके तहत होर्डिंग नीति आती है उसके एमआईसी प्रभारी निरंजन चौहान है।

मेट्रो लाइन के नीचे ही हुआ यह घोटाला-राजेंद्र राठौर ने बताया कि इंदौर में पिलर पर मेट्रो लाइन एयरपोर्ट से खजराना तक गई है। लेकिन यहां विजयनगर, सयाजी से रेडिसन होटल तक जो शहर का सबसे महंगा कमर्शियल स्थान है, यहां पर मेट्रो लाइन के नीचे ही अवैध तौर पर विज्ञापन के लिए होर्डिंग लगा दिए गए हैं। राठौर ने कहा कि मेट्रो लाइन के नीचे मीडियन (डिवाइडर) को मेंटेन करने के लिए मेट्रो कंपनी से निगम को 10 करोड़ मिले हैं। इसी के तहत काम हो रहा है। लेकिन अभी यह पूरा बना भी नहीं है,

हिस्सा लेने चोरों की लड़ाई है-पटवारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एमआईसी मेंबर राठौर द्वारा लगाए गए घोटाले के आरोप पर कहा कि साबित होता है कि निगम में भ्रष्टाचार हो रहा है। यह और कुछ नहीं है यह लूट और चोरी के माल में हिस्सा बांटने की लड़ाई है। यह लोग तो बिना काम के ही 2000 करोड़ का घोटाला करके बैठे हुए हैं। यह सब एमआईसी डाकुओं का समूह है। जब सत्ता बदलेगी तो लूट का माल वसूल किया जाएगा और सबकी जांच होगी।

और यहां पर दीपक एडवरटाइजिंग द्वारा होर्डिंग्स, पोल लगाने शुरू कर दिए हैं।

अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहा है-राठौर ने कहा कि रातोंरात दीपक एडवरटाइजिंग कंपनी ने अधिकारियों से सांठगांठ कर यह होर्डिंग लगा दिए। जब मैंने पूछा कि यह कैसे हुआ तो मार्केट विभाग निगम के राकेश चौहान ने कहा कि यह पुरानी मंजूरी है, जबकि यह तो डिवाइडर पहली बार बन रहा है तो फिर मंजूरी कैसे हो सकती है। इसके बाद निगमायुक्त से शिकायत की है। यह भ्रष्टाचार का खुला अड्डा खोल रखा है। राठौर ने मांग की है कि इसकी जांच होना चाहिए, जो अधिकारी है और जो एडवरटाइजिंग कंपनी है उन पर एफआईआर होना चाहिए।

परीक्षा पैटर्न में बदलाव

डीएवीवी ने एमबीए छात्रों को दिया अतिरिक्त तैयारी का समय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● छात्रों के कमजोर परिणाम और कम तैयारी समय की लगातार शिकायतों को देखते हुए देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने मैनेजमेंट और लॉ कोर्सेस की परीक्षा व्यवस्था में अहम् बदलाव करने का निर्णय लिया है। अब एमबीए प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं उच्च शिक्षा विभाग के बजाय तकनीकी शिक्षा विभाग के अकादमिक कैलेंडर के अनुसार आयोजित की जाएंगी। इस बदलाव से छात्रों को तैयारी के लिए लगभग एक महीने का अतिरिक्त समय मिलेगा।

दरअसल संबद्ध कॉलेजों में एमबीए एडमिशन प्रक्रिया सितंबर के अंत तक चलती है, जिसके कारण नवंबर-दिसंबर में होने वाली परीक्षाओं से पहले छात्रों को पर्याप्त समय नहीं मिल पाता था। नई व्यवस्था के तहत अब परीक्षाएं जनवरी के मध्य से फरवरी के मध्य के बीच आयोजित की जाएंगी, जिससे पढ़ाई और रिवीजन के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा। यह निर्णय कॉलेजों और छात्रों की लगातार मांग के बाद लिया गया है। हाल के सत्रों में खराब परिणामों ने भी इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया था।

मानसिक दबाव होगा कम-वहीं, लॉ कोर्सेस के छात्रों के लिए भी विश्वविद्यालय ने राहत दी है। बीए एलएलबी और एलएलबी सहित सभी लॉ छात्रों को दूसरे और आगामी सेमेस्टर की परीक्षाओं में शामिल होने की अनुमति दी गई है। इसमें वे छात्र भी शामिल हैं, जिनके कॉलेजों की मान्यता से जुड़े मामलों के कारण पहले सेमेस्टर के परिणाम रोके गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष तिवारी के अनुसार... ऐसे छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति तो दी जाएगी, लेकिन उनके परिणाम संबंधित कॉलेजों द्वारा आवश्यक मान्यता प्राप्त करने के बाद ही घोषित किए जाएंगे। विवि का मानना है कि इन फैसलों से छात्रों के परिणाम बेहतर होंगे और उनका मानसिक दबाव भी कम होगा।

छावनी रोड प्रोजेक्ट में नया फॉर्मूला, जारी होंगे नोटिस

80 के स्थान पर 70 फीट चौड़ी होगी सड़क

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● छावनी क्षेत्र में लंबे समय से विवादों में घिरे सड़क चौड़ीकरण प्रोजेक्ट को लेकर आखिरकार सहमति बन गई है। मधुमिलन से जगन्नाथ धर्मशाला तक प्रस्तावित सड़क अब 80 फीट के बजाय 70 फीट चौड़ी बनाई जाएगी। इस फैसले के बाद नगर निगम ने नए सिरे से नोटिस जारी करने की तैयारी पूरी कर ली है और अब अधिकारियों की मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, न्यायालय के निर्देशों के बाद क्षेत्र के रहवासियों के साथ हुई बैठक में यह सहमति बनी कि सड़क की चौड़ाई 10 फीट कम कर दी जाए, ताकि पुराने मकान और दुकानों को कम नुकसान पहुंचे। इस निर्णय से कई वर्षों पुराने निर्माण आंशिक रूप से सुरक्षित रहेंगे।

जल्द होगी कार्रवाई-निगम द्वारा बाधक निर्माणों को हटाने के लिए नए नोटिस तैयार कर लिए गए हैं। अधिकारियों की हरी झंडी मिलते ही इन्हें वितरित किया जाएगा। साथ ही रहवासियों से अपील की जाएगी कि वे स्वेच्छा से अपने निर्माण के बाधक हिस्से हटा लें, ताकि सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाई जा सके।

चिड़ियाघर में पीपीपी मोड पर संचालित होगा टनल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नवलखा स्थित कमला नेहरू प्राणी संग्राहलय (चिड़ियाघर) को अंतरराष्ट्रीय स्तर का पर्यटन केंद्र बनाने की दिशा में नगर निगम ने एक और महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। यहां अत्याधुनिक 'टनल फिश एक्वेरियम' (मछली घर) विकसित किया जाएगा, जिससे पर्यटकों को समुद्र के भीतर चलने जैसा अनोखा अनुभव मिलेगा। इस प्रोजेक्ट को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर तैयार किया जाएगा। करीब ढाई साल पहले इस परियोजना की घोषणा की गई थी, जिसे अब अमलीजामा पहनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नगर निगम ने 30 मार्च को टेंडर जारी कर दिए हैं। इच्छुक कंपनियां अप्रैल मध्य तक आवेदन कर सकेंगी और 29 अप्रैल को टेंडर खोले जाएंगे। यह प्रोजेक्ट 30 वर्षों के लिए निजी एजेंसी को दिया जाएगा, जिसमें निर्माण, संचालन और रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी उसी की होगी।

परिसर में लगभग 1100 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में एक्वेरियम का निर्माण किया जाएगा। ठेका लेने वाली कंपनी को नगर निगम को हर वर्ष प्रीमियम देना होगा, जिसमें हर साल 4 प्रतिशत की वृद्धि तय की गई है। इसके अलावा टिकट बिक्री से होने वाली आय का एक हिस्सा भी निगम

को प्राप्त होगा। टनल एक्वेरियम की सबसे खास बात इसकी पारदर्शी ग्लास टनल होगी, जिससे गुजरते हुए पर्यटक चारों ओर तैरती रंग बिरंगी और दुर्लभ मछलियों को बेहद करीब से देख सकेंगे। यह अनुभव ऐसा होगा मानो व्यक्ति समुद्र के भीतर चल रहा हो। एक्वेरियम में 100 से अधिक प्रजातियों की हजारों मछलियां रखी जाएंगी, जिनमें देशी-विदेशी समुद्री जीव शामिल होंगे। चूंकि अधिकांश मछलियां समुद्री वातावरण में रहती हैं, इसलिए यहां विशेष तकनीक के जरिए समुद्र जैसा खारा पानी तैयार किया जाएगा। साथ ही ऑक्सीजन, तापमान और पानी की शुद्धता की लगातार मॉनिटरिंग के लिए आधुनिक सिस्टम लगाए जाएंगे, ताकि जीवों के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। वर्क ऑर्डर जारी होने के बाद परियोजना को 12 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। नगर निगम का प्रयास है कि यह एक्वेरियम सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बने और शहर के पर्यटन को नई पहचान दे। इसके साथ ही चिड़ियाघर परिसर में 14डी थिएटर विकसित करने की योजना भी है, जिससे आगंतुकों को और अधिक मनोरंजन व शैक्षणिक अनुभव मिल सके। यह पूरी पहल इंदौर को आधुनिक और आकर्षक पर्यटन हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस थिएटर से जंगल सफारी का आनंद लोग ले सकेंगे।

सिरपुर तालाब पर संकट | आयुक्त जलकुंभी हटाने के दे चुके हैं निर्देश लेकिन अभी भी कायम है

जल कुंभी और गंदगी के कारण यहां से दूर हो रहे विदेशी मेहमान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर का गौरव माने जाने वाला सिरपुर तालाब इन दिनों गंभीर पर्यावरणीय संकट से जूझ रहा है। अंतरराष्ट्रीय महत्व की रामसर साइट का दर्जा मिलने के बावजूद तालाब की हालत बदतर होती जा रही है। जलकुंभी, सीवरेज के गंदे पानी और बढ़ते अतिक्रमण ने इसकी पारिस्थितिकी पर बड़ा खतरा खड़ा कर दिया है। करीब दो साल पहले जब सिरपुर तालाब को रामसर साइट घोषित किया गया था, तब यह इंदौर के लिए बड़ी उपलब्धि थी। खुद नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि पर शहरवासियों को बधाई दी थी। लेकिन अब हालात यह हैं कि तालाब का बड़ा हिस्सा जलकुंभी की मोटी परत से ढंक चुका है और कई जगहों से सीधे सीवरेज का पानी इसमें मिल रहा है।

स्वच्छता सर्वेक्षण के बीच बढ़ी चिंता: इंदौर जहां एक बार फिर स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल आने की तैयारी कर रहा है, वहीं सिरपुर तालाब की स्थिति इस दावे पर सवाल खड़े कर रही है। पर्यावरणविदों का कहना है कि जब तक इस प्रमुख जल स्रोत को नहीं बचाया जाएगा, तब तक स्वच्छता अभियान अधूरा ही रहेगा। जलकुंभी के तेजी से फैलाव ने तालाब के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया है। खासकर 'छोटा सिरपुर' क्षेत्र लगभग पूरी तरह इसकी चपेट में आ चुका है, जिससे यहां आने वाले प्रवासी पक्षियों के लिए हालात बेहद प्रतिकूल हो गए हैं। तीन में से एक हिस्सा पूरी तरह ढका: पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार तालाब का एक-तिहाई से अधिक हिस्सा जलकुंभी से ढक चुका है। पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन

द्वारा नगर निगम को स्थिति सुधारने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। हैरानी की बात यह है कि जलकुंभी हटाने के लिए मशीन उपलब्ध होने के बावजूद उसका प्रभावी उपयोग नहीं हो रहा। पर्यावरण संगठन द नेचर वालेंट्री के अध्यक्ष पद्मश्री भालू मोंढ़े ने चेतावनी दी है कि यदि तालाब का प्राकृतिक स्वरूप नहीं बचाया गया तो प्रवासी पक्षी यहां आना बंद कर देंगे। इससे न केवल जैव विविधता प्रभावित होगी, बल्कि सिरपुर तालाब का नाम रामसर साइट की सूची से हटने का खतरा भी पैदा हो सकता है।

अतिक्रमण और प्रदूषण से बिगड़ती तस्वीर-तालाब के कैचमेंट एरिया और ग्रीन बेल्ट में लगातार अतिक्रमण हो रहा है। एनजीटी के निर्देशों के बावजूद स्थिति पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो पाई है। दूषित पानी और अवैध कब्जों के चलते पिछले तीन वर्षों में प्रवासी पक्षियों की संख्या में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो सिरपुर तालाब केवल कागजों में ही 'रामसर साइट' बनकर रह जाएगा। ऐसे में जरूरी है कि तालाब में गिर रहे गंदे पानी को रोका जाए, जलकुंभी की नियमित सफाई हो और अतिक्रमण पर सख्ती से कार्रवाई की जाए, ताकि इस प्राकृक्तिक धरोहर को बचाया जा सके।

सिरपुर तालाब में जलकुंभी संकट के मुख्य बिंदु

- तालाब का बड़ा हिस्सा जलकुंभी से ढक गया है, जिससे यह निर्जीव होने की कगार पर है।
- जलकुंभी के कारण विदेशी पक्षी और ब्राह्मणी शेलडक (सुरखाब) जैसी प्रजातियां अब कम आ रही हैं।
- आसपास की कॉलोनियों से अनुपचारित सीवेज (गंदा पानी) तालाब में गिरने से जलकुंभी तेजी से पनप रही है।
- मशीन होने के बावजूद समय पर सफाई न होने से पर्यावरण प्रेमी चिंतित हैं।
- नगर निगम आयुक्त ने हाल ही में जलकुंभी हटाने और तालाब की सफाई के कड़े निर्देश दिए हैं।
- जलकुंभी के कारण ऑक्सीजन की कमी से मछलियां मर रही हैं।
- यदि तालाब का प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ा तो यह रामसर सूची से बाहर हो सकता है।
- यह जलकुंभी सड़ने पर द्वितीयक प्रदूषण का कारण बनती

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी.कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।